सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 249, नई दिल्ली । मंगलवार, 19 नवम्बर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अपने मिशन में सफल होने के लिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति एक चित भाव से समर्पित होना पड़ेगा।

03 दिल्ली की जहरीली हवा में सांस लेना मतलब 49 सिगरेट पीने जैसा
06 डिजिटल पत्रकारिता आधुनिक दुनिया को कैसे प्रभावित करती है
08 विपक्ष के नेता नवीन पटनायक जल्द ही राज्य के सभी जिलों का दौरा करेंगे

गौर कीजिएगा:- चाय की टपरी पर बैठे एक सज्जन ने एकदम सही बात कही

विनोद बंसल

नई दिल्ली। लगातार 10 सालो से अरविंद केजरीवाल और उसकी सरकार उत्तर भारत के प्रदूषण पर जानबूझ कर एक गलती कर रहे है, और वो है "उसे स्वीकार करना और उस पर प्रतिक्रियाए देना व उसको कम करने के लिए प्रयास करना"

कोरोना के समय भी उन्होंने यह गलती की थी ! दिल्ली समेत नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम , आगरा , पानीपत व अन्य कई शहरों में भी भयंकर प्रदूषण है, लेकिन इस बार भी दिल्ली की मुख्यमंत्री मीडिया के सामने आ गई जबकि अन्य पड़ोसी प्रदेशों के सीएम घर में है, ना दिख रहे है ना मीडिया में है। ना ही प्रदूषण पर ज़्यादा बयानबाज़ी कर रहे है !

दिल्ली के बच्चो के स्कूल बंद कर दिए गए है, जबकि नोएडा फरीदाबाद गाजियाबाद गुरुग्राम में सारे स्कूल बढ़िया खुले है, वहाँ बच्चे जा रहे है, उनके फेफड़े लोहे के है शायद ?

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय मीडिया से बात कर रहे है, जबकि वाकी के राज्य के पर्यावरण मंत्री कौन है छोड़िए, देश का पर्यावरण केंद्रीय मंत्री कौन है यह तक किसी को नहीं पता ?

असल में हर साल बड़ी होशियारी से उत्तर भारत की प्रदूषण समस्या को दिल्ली की प्रदूषण समस्या बना दिया जाता है और देश की मासूम खासकर उत्तर भारत प्रदेशों की जनता इसे सिर्फ़ दिल्ली की समस्या मानकर अपने राज्यो की सरकारो से कोई सवाल नहीं करती और बेख़ौफ़ जान लेवा प्रदूषित हवा में घूमती रहती है क्योंकि प्रदूषण तो सिर्फ़ दिल्ली में ही फ़सा है !

क्या है कारण ? दिल्ली सरकार का प्रदुषण के लिए इतना खौफ उत्पन्न करने का, सोचे/ समझे।

प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, दिल्ली-NCR से अगले आदेश तक नहीं हटेगा GRAP-4; स्कूलों को बंद करने के निर्देश

परिवहन विशेष न्यूज

सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए दिल्ली और एनसीआर में ग्रेप-4 के प्रावधानों को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने सभी एनसीआर राज्यों को तुरंत टीमों का गठन कर आवश्यक निगरानी कार्य करने के आदेश दिए हैं। साथ ही 12वीं तक के सभी स्कूलों को बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के खतरनाक स्तर तक पहुंच जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को ग्रेप-4 के प्रावधानों को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने सभी एनसीआर राज्यों को ग्रेप-4 के तहत आवश्यक निगरानी कार्यों के लिए तत्काल टीमों का गठन करने का भी निर्देश दिया। इसके साथ ही कोर्ट ने 12वीं तक के स्कूल बंद करने को कहा।

जस्टिस अभय एस ओका और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि यह सुनिश्चित करना सभी राज्यों का संवैधानिक कर्तव्य है कि सभी नागरिक प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहें। पीठ ने कहा, ₹हम GRAP-4 के तहत प्रतिबंधों को जारी रखने का निर्देश देते हैं, भले ही एक्यूआई स्तर 450 से नीचे चला जाए।₹

प्रदूषण को रोकने के लिए उठाए गए कदमों की दें जानकारी: SC

सुप्रीम कोर्ट ने सभी एनसीआर राज्य सरकारों और केंद्र को निर्देश दिया कि वे ग्रेप-4 में बताए गए सभी उपायों पर तुरंत विचार करें और सुनवाई की अगली तारीख से पहले उठाए गए सभी कदमों की जनकारी दें। दिल्ली और एनसीआर सरकारों को ग्रेप-4 के उल्लंघन की रिपोर्ट करने के लिए एक शिकायत निवारण तंत्र भी स्थापित करने को कहा।

अगले आदेश तक दिल्ली-NCR में ग्रेप-4 लागू रहेगा: SC

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसके अगले आदेश तक ग्रेप-4 दिल्ली और एनसीआर में लागू रहेगा, भले ही AQI 450 से नीचे चला जाए। सभी राज्य और केंद्र सरकारों को इस संबंध में हलफनामा दाखिल करने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह राज्य और केंद्र का संवैधानिक दायित्व है कि नागरिक प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ग्रेप चरण 3 और 4 को लगाने के अलावा, सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि राजधानी और इसके आसपास के इलाकों में स्थिति सामान्य हो जाए।

12वीं तक के स्कूल बंद करने के आदेश

12वीं कक्षा तक के सभी स्कूलों के भौतिक तरीके से संचालित किए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और एनसीआर के 12वीं तक के सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया है।

दिल्ली में इन वाहनों को मिली है छूट

सीएक्यूएम के आदेश के अनुसार, आवश्यक वस्तुएं ले जाने वाले या स्वच्छ ईंधन (एलएनजी/सीएनजी/बीएस-VI डीजल/इलेक्ट्रिक) से संचालित वाहनों को छोड़कर किसी भी ट्रक को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। ईवी और सीएनजी और बीएस-VI डीजल वाहनों को छोड़कर, दिल्ली के बाहर पंजीकृत गैर-जरूरी हल्के वाणिज्यिक वाहनों पर भी प्रतिबंध रहेगा।

दिल्ली में ग्रेप 4 लागू होने के बाद भी खुले हुए हैं स्कूल....

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने स्कूल बंद करने के आदेश दिए हैं पर यहां दिल्ली में ग्रेप 4 लागू होने के बाद भी स्कूल खुले हुए हैं दिल्ली सभी शिक्षक रोज स्कूल बुलाए जा रहे हैं जिनके दो लाख वाहन रोज प्रदूषण बढ़ाते हैं। स्कूल बंद का मतलब यहां अधिकारियों द्वारा कुछ और लगाया जा रहा है उनके हिसाब से जब वे ऑफिस आ रहे हैं तो शिक्षकों को भी स्कूल आना चाहिए उन्हें यह समझ नहीं आ रहा है कि जब स्कूलों मैं छात्र नहीं है तो शिक्षकों का क्या कार्य है ऑनलाइन शिक्षण तो शिक्षक घर से भी करवा सकते हैं जैसे कोरोना काल में कराया गया था। शिक्षकों को वर्क फ्रॉम होम के आदेश दिए जाएं जिससे 2 लाख शिक्षकों के वाहन कम निकलें दिल्ली में। शिक्षकों के भी स्वास्थ्य की चिंता दिल्ली सरकार को करनी चाहिए।

कुलदीप सिंह खत्री, अध्यक्ष
शिक्षक न्याय मंच नगर निगम

3 करोड़ से ज्यादा का जुर्माना, 6761 के काटे चालान और 555 वाहन जब्त; फिर कार्रवाई पर क्यों उठा सवाल?

परिवहन विशेष न्यूज

राजधानी दिल्ली में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है लेकिन इसको लेकर कार्रवाई में कोई तेजी नहीं है। प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर कार्रवाई के लिए 84 टीमें बनाई गई हैं लेकिन इसके बावजूद भी कार्रवाई बहुत धीमी है। एक नवंबर से अब तक 555 वाहनों को जब्त किया गया है।

नई दिल्ली। दिल्ली में प्रदूषण बढ़ रहा है। परिवहन विभाग ने प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर कार्रवाई के लिए 84 टीमें भी लगा दी हैं। मगर प्रदूषण को लेकर कार्रवाई अभी धीमी है। पिछले एक नवंबर से कार्रवाई की स्थिति पर प्रकाश डालें तो 6761 चालान काटे हैं, 555 वाहन जब्त किए गए हैं।

कुल 3,1967232 का लगाया गया जुर्माना

अभी तक कुल मिलाकर 3,1967232 का जुर्माना लगाया गया है। मगर जिस तरह से दिल्ली में प्रदूषण बढ़ रहा है, उस लिहाज से अभी सख्ती नहीं दिख रही है। परिवहन विभाग की प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर कार्रवाई की स्थित पर नजर डालें तो पिछले ढाई माह में ऐसे वाहनों पर 23 करोड़ से अधिक का जुर्माना लगाया गया है।

सबसे अधिक सितंबर में 13 करोड़, अक्टूबर में साढ़े सात करोड़ और नवंबर में एक से 15 तारीख के दौरान साढ़े तीन करोड़ का जुर्माना लगाया गया है। दिल्ली सरकार का पर्यावरण विभाग भी इस कार्रवाई को तेज करने के पक्ष में है।

उम्र पूरी कर चुके 2,200 वाहन जब्त

दिल्ली परिवहन विभाग के अभियान के तहत एक अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच उम्र पूरी कर चुके 2,234 वाहन जब्त किए हैं। इसका उद्देश्य खराब होती वायु गुणवत्ता को थामना है। जब्त वाहनों में 10 साल पुराने 260 डीजल चार पहिया वाहन, 1,156 पेट्रोल दोपहिया वाहन और 15 साल से अधिक पुराने 818 पेट्रोल तीन और चार पहिया वाहन शामिल हैं।

दिल्ली में बढ़ चुके प्रदूषण के बीच परिवहन विभाग ने आम जनता से कार पूलिंग और अधिक से अधिक मेट्रो का उपयोग करने की सलाह दी है। परिवहन विभाग के अधिकारी ने कहा कि यह सलाह सड़कों पर वाहनों का दबाव कम करने के उद्देश्य से दी जा रही है।

गैस चैंबर बनी दिल्ली: घर से बाहर निकलें तो पहनें N95 मास्क, कई इलाकों में शाम 7 बजे भी AQI 900 पार

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली की हवा दम घोंट रही है। गैस चैंबर बनी दिल्ली में सांस लेने के लिए मास्क लगाना जरूरी हो गया है। चिकित्सक घर से बाहर न निकलने की सलाह दे रहे हैं। सोमवार को शाम सात भी एक्यूआई (AQI) कई जगहों पर 900 के पार था। बच्चों से लेकर बुजुर्गों और युवाओं के लिए स्वास्थ्य के लिए दिल्ली की हवा खतरनाक है।

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली की आबोहवा जहरीली बनी हुई है। ग्रेप का चौथा चरण लागू है, लेकिन वायु गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं हो रहा है। दिल्ली के कई ऐसे इलाके हैं, जहां शाम को 4 से 5 बजे के बीच एक्यूआई 1000 के पार रहा या आसपास रहा। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में एक्यूआई खतरनाक स्तर यानी 450 से ऊपर ही है।

दिल्ली में स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियां भी बढ़ गई हैं। दिल्ली के अस्पतालों में सांस लेने में दिक्कत और गले में जलन जैसे परेशानी वाले मरीज भी ज्यादा संख्या में आ रहे हैं। स्वास्थ्य सलाहकार लोगों को एन95 मास्क पहनने की सलाह दे रहे हैं, ताकि प्रदूषण से बचा जा सके।

इसके अलावा बिना जरूरी काम के घर से बाहर न जालने की सलाह दी गई है। दिल्ली में फिलहाल जितना एक्यूआई रह रहा है, उससे सांस और हृदय संबंधी बीमारियां हो सकती हैं।

दिल्ली में कहां सबसे ज्यादा एक्यूआई

दिल्ली में सोमवार (18 नवंबर) शाम सात बजे एक्यूआई गंभीर श्रेणी से लेकर खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। आनंद विहार में एक्यूआई 936, जहांगीरपुरी में 871, मदर डेयरी में 908, मुंडका में 839, नई दिल्ली में 731, ग्रीन पार्क में 706, मंदिर मार्ग में 746, पंजाबी बाग में 809, इहबास में 915, दर्ज किया गया। गाजियाबाद के वसुंधरा में एक्यूआई 1176 एनसीआर में फिलहाल सबसे ज्यादा दर्ज किया गया है।

सतर्क रहने की बहुत जरूरत

सर गंगा राम अस्पताल में चेस्ट मेडिसिन विभाग के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. उज्ज्वल पारख ने कहा कि लोगों को बेहद सतर्क रहने की जरूरत है। हर किसी को जितना संभव हो सके बाहर निकलने से बचना चाहिए। अगर उन्हें बाहर जाना ही है तो वायु प्रदूषण के प्रभावों को कम करने के लिए मास्क का उपयोग करना चाहिए। मास्क एन95 ज्यादा कारगर है।

उन्होंने खिड़कियां और दरवाजे बंद रखने और HEPA-फिल्टर एयर प्यूरीफायर का उपयोग करने की सलाह दी। पारख ने कहा कि हाइड्रेटेड रहने के लिए बहुत सारे तरल पदार्थ पीना भी जरूरी है। फेफड़ों की बीमारियों वाले लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए और अपनी दवाओं का नियमित सेवन करना चाहिए।

दिल्ली-एनसीआर में ग्रेप का चौथा चरण लागू

दिल्ली-एनसीआर में ग्रेप (GRAP 4 Implement) का चौथा चरण लागू है। इसके तहत कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं। इनमें निजी और सरकारी निर्माण कार्यों और खनन के कार्यों पर रोक लगी हुई है। इसके अलावा दिल्ली में बीएस-4 डीजल और बीएस-3 पेट्रोल वाहनों के प्रवेश पर रोक है। साथ ही ट्रकों की एंट्री पर बैन है। इसके अलावा दिल्ली-एनसीआर में 10वीं और 12वीं को छोड़कर बाकी कक्षाएं ऑनलाइन चलाई जा रही हैं।

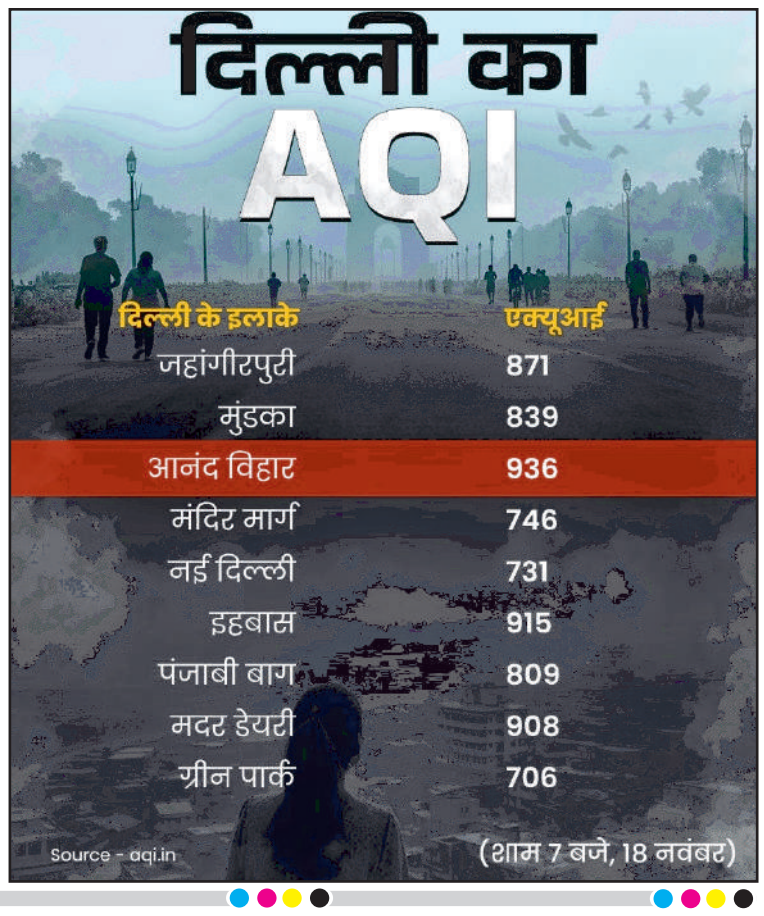

स्व. ओ पी गोयल जी की 75 वी जन्मजयंती पर विशेष संस्मरण....

स्वर्गीय ओ पी गोयल साहब एक ऐसी शख्सियत थे जिन्होंने फिल्मों को देखा नहीं बल्कि जिया था

- माउथ पब्लिसिटी के साथ फिल्म उद्योग से जुड़ा नाता फिल्म निर्माण तक पहुंचा
- मेहनत और लगन से 75 वर्ष के जीवन में हासिल किया हर मुकाम

इंदौर। स्वर्गीय ओमप्रकाश जी गोयल यानि गोयल साहब एक ऐसी शख्सियत थी जिन्होंने फिल्मों को देखा नहीं बल्कि जिया है ।फिल्म उद्योग से उनका नाता फिल्मों की सड़क पर की जाने वाली माउथ पब्लिसिटी से जुड़ा। इसके बाद उन्होंने फिल्म वितरक के साथ ही शहर और प्रदेश के कई सिनेमा के प्रबंधन की जिम्मेदारी भी संभाली ।उनकी यात्रा यहीं रुकने वाली नहीं थी ।इसके बाद फिल्म प्रोड्यूसर के रूप में 50 से अधिक फिल्मों में अपना योगदान दिया ।उनके व्यक्तित्व की यह खासियत थी हर कार्य पूरी मेहनत और लगन के साथ करते थे।

अहिल्या की नगरी इंदौर में एक साधारण परिवार में उनका जन्म 19 नवंबर 1949 को हुआ था। पिता स्व. शिवदयाल गोयल स्वदेशी मिल में क्लर्क की नौकरी करते थे ।परिवार में उनके सहित 10 भाई-बहन थे।

प्राथमिक शिक्षा छावनी में स्थित शासकीय 2 नंबर स्कूल और माध्यमिक शिक्षा एसजीएचएस स्कूल में हुई। पढाई वे भले ही साधारण थे लेकिन खेल-कूद, वाद-विवाद, संगीत और सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा सभी को मनवा देते थे ।खेलों में उनका प्रिय खेल फुटबाल था ।इसके चलते उन्होंने इस खेल के कई टूनामेंट खेल और बाद में करवाए भी ।देखते-देखते लोग उन्हें ओमप्रकाश के स्थान पर ओम कमेटी कहने लगे। छात्र जीवन में आल इंडिया बाय स्काउट भी ज्वाइन कर ढेरो पुरस्कार जीते ।इस दौरान वह मोड़ आया जिसके लिए उनका जन्म हुआ था। उन्होंने माउथ पब्लिसिटी विज्ञापन की दुनिया में क़दम रखा जिसमें शहर में रिलीज होने वाले फिल्मों की आटो में बैठकर लाउड स्पीकर में बोलकर प्रचार किया जाता था ।यह काम परिवार को पसंद नहीं आया तो पिताजी ने उन्हें अपने पास स्वदेशी काटन मिल में क्लर्क की नौकरी पर लगा दिया ।इसके बाद 6. मार्च 1974 में उनका विवाह हुआ। विवाह के उपरांत दो बेटियों और एक बेटे के पिता बने।

प्रयास के बाद भी नौकरी में मन नहीं लगा तो फिर अपना पहला प्यार कहिए या पसंद वे फिल्मों की ओर लौट आए और फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में लक्ष्मी पिक्चर्स के नाम से फिल्म कालोनी में स्वयं का आफिस किराए पर लेकर शुरुआत की। कड़ी मेहनत,लगन और ईश्वर कृपा के साथ निरंतर सफलतापूर्वक प्रगति करते हुए सैंट्रल सर्किट सिनेमा एसोसिएशन में विभिन्न पदों पर रहते हुए इन्दौर के सिनेमा जगत को ऊंचाई पर पहुंचाया।।1985.11. अप्रैल को सपना संगीता सिनेमा का मैनेजमेंट और एक्जिब्यूशन का काम आने से उनकी सफलता तेज गति से बढ़तीं गई। मध्य प्रदेश के पहले मल्टीप्लेक्स वेलोसिटी और इंदौर के जाने-माने सिनेमाघर जैसे आस्था, कस्तूर, अनूप और मध्य प्रदेश के कई सिनेमा का कुशल संचालन किया और काफी सारे सिनेमा की ओपनिंग उनके हाथों से हुई थी सिनेमा की बुकिंग का कार्य भी किया। इतना सब कुछ करने के बाद भी ये शांत नहीं बैठे और लगभग 50 -75 फिल्मे बनाई और पहला टीवी सीरियल कबूतर खाना भी बनाया । इसके बाद उनकी ख्याति इंदौर ही नहीं मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान मैं पहुंच गई । वे सीसीसीए के डायरेक्टर पद पर भी रहे ।

बंबई के उस समय के जितने भी ख्यात हीरो, संगीतकार, प्रोड्यूसर थे सभी उनके व्यवहार कुशलता के कायल रहे हैं। उनके गीतकार-संगीतकार स्व रविंद्र जैन से पारिवारिक संबंध थे। वे 2001 में बनी रविंद्र जैन संगीत एकेडमी ट्रस्टी बने ।उनके पुत्र आशीष गोयल फिल्म द्वार अग्रवाल समाज की अग्रणी संस्था ₹संस्था अग्र मंचर द्वारा उनकी प्रेरणा से विभिन्न सामाजिक और सेवा गतिविधियां संचालित की जा रही है।

आपने अपना संपूर्ण जीवन घर परिवार, मित्रों व समाज के सुख-दुख में शामिल होकर अपने स्तर पर सभी की मदद करके बिताया ।कई प्राण घातक हमलों के बाद भी अपनी जिम्मेदारी से कभी डिगे नहीं। अपने लक्ष्य की और कड़ी नजर गड़ाते हुए ओमप्रकाश ओ पी.गोयल फ़िर सिर्फ गोयल साहब हो गए ।इन्होंने अपने प्रोफेशन को आय का स्त्रोत नहीं बनाया बल्कि इसको कर्म प्रधान पूजन का रुप दिया जिसके फलस्वरूप प्रोफैशन से संबंधित किसी भी प्रकार के कार्य अपने अनुभवों के आधार पर अपने सहकर्मियों की सहायता करते थे बदले में उनसे किसी भी प्रकार का मेहनताना नहीं लेते थे। सहकर्मी के कार्य को अपना कार्य समझकर परी मेहनत ओर लगन से करते थे ।इस गुण के कारण पूरे व्यवसाय जगत में सभी सम्मानित करते थे ।

तंबाकू सेवन स्वास्थ्य के लिए ख़तरनाक-तंबाकू निषेध कानून का सख़्त क्रियान्वयन समय की मांग

कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार
अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि
संगीत माध्यमा सीए(एटीसी)
एडवोकेट किशन सनमुखदास
भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

वैश्विक स्तरपर अनेक ऐसी बुराइयों या बुरी आदतें शौक या कार्यकलाप हैं,जिन्हें रोकने के लिए 195 से अधिक देशों की सदस्यता से बना संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस आदत,वस्तु को रोकने अनेक कार्यक्रम व जन जागरण दिवस मनाया जाता हैं ।परंतु मेरा मानना है कि अब समय आ गया है कि दुनियां के हर देश व हर राज्य द्वारा इससे संबंधित कानूनो में अब संशोधन करने का समय आ गया है ।अब तंबाकू और उससे बनी वस्तुओं पर पूरी तरह से बैन औरउल्लंघन करने वालों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की जाए। हालांकि भारत के अनेक राज्यों में तंबाकू व उससे बने पदार्थों पर बैन लगा हुआ है, परंतु उस पर सख़्ती की अत्यंत भारी कमी देखने को मिल रही है ।इस संबंध में इस आर्टिकल को लिखने के पीछे मैं खुद एक हफ्ते से रिसर्च व ग्राउंड रिपोर्टिंग कर रहा थाजिसकी चर्चा हम नीचे के पैराग्राफ में करेंगे, तो मैंने पाया कि तंबाकू विक्रेताओं पर अति सुस्ती से कार्रवाई होती है, मार्केट में खुले आम तंबाकू बिकते दिखा अनेक गोदाम पैक रखे हुए, विक्रेता मलाई से लबालब शालीनता वाली जिंदगी मे मस्त दिखे। दूसरी और अभी कुछ दिन पहले हमारी राइस सिटी गोंदिया में संबंधित विभाग द्वारा स्कूलों के 100 मीटर के दायरे में तंबाकू और उससे संबंधित पदार्थ बेचने पर अनेक प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई ।मेरा मानना है कि इस समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए यह कार्रवाई लगातार सप्ताह में दो बार शुरू रहनी चाहिए तो इस समस्या का जड़ से निदान हो सकता है ।असल में होता यह है कि हफ़्ताखोरी के कारण जो रेड होता है, उसकी जानकारीसंबंधित ऑनर को उस डिपार्टमेंट के भेदियों से मिल जाती है और माल ठिकाने लग जाता है या सेटिंग से कम जप्ती दिखायी जाती है, केस ढीला कर दिया जाता है, आरोपी को शीघ्र जमानत मिल जाती है, फिर कारोबार का चक्र उसी तरह चलते रहता है, रिकॉर्ड में रेड दिखाई जाती है पर होता जाता कुछ नहीं, यह कहानी मेरा मानना है कि शायद हर जिला प्रशासन में हो सकती है। इस प्रकार के मदिरा व्यापार में मैंनें अभी तक कोर्ट से सजा नहीं देखी या सुनी है ।आरोपी छूट जाता है मामला रफादफा हो जाता है और हम केवल और केवल जागरूकता दिवस, निषेध दिवस मनाते रह जाते हैं,जिसपर शायद शासन प्रशासन को गंभीरता से विचार करना जरूरी है। अभी समय आ गया है कि शासन प्रशासन को अति कानूनी सख़्ती भी अत्यंत तात्कालिक जरूरी है, इसलिए आज हम मीडियम उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, तंबाकू सेवन स्वास्थ्य के लिए खतरनाक तंबाकू निषेध कानून का सख्त क्रियान्वयन समय की मांग तंबाकू या धूम्रपान से दूरी हमारे जीवन की गुणवत्ता को सुधारने में मददगार साबित हो सकती है।

साथियों बात अगर मेरे द्वारा दिनांक 11 से 17 नवंबर 2024 तक जोकि विधानसभा चुनाव के बिल्कुल पीक़ दिवस हैं उसके बावजूद तंबाकू सेवनकर्ताओं से ग्राउंड रिपोर्टिंग बातचीत की करें तो, मैं सब्जी मंडी, मॉल सिनेमाघर पेट्रोल पंप किराना बाजार सहित अन्य कई स्थानों पर दैनिकरूटिंन में जाकर देखा तो अनेकों के हाथ में झिल्ली में लपेटा हुआ या पाउच में डाला हुआ गुटका तंबाकू दिखा। मैंनें जब उनसे बात की तो उन्होंने कहा हमें मालूम है कि पाउच के ऊपर लिखा रहता है तंबाकू सेवन से कैंसर जैसी घातक बीमारी हो सकती है, परंतु फिर भी हम खा रहे हैं। हालांकि तंबाकू पर यहां बैन लगा हुआ है फिर भी खुले आम विक्रेताओं बीचसेवनकर्ता सेवन कर रहे हैं। जब मैं उनके दांतों के सड़न के बारे में बात की तो उन्होंने कहा तंबाकू से ही सब गए हैं। मैंनें कैंसर की बात की तो उन्होंने कहा आगे चलकर हमें कैंसर हो सकता है, फिर भी बेफिक्र होकर तंबाकू खाते दिखे तो मुझे लगा अब जनजागरण फैलाने के साथ-साथ अत्यंत सख्त कार्रवाई करना लाज़मी है और संबंधित विभाग को ऊपर से टारगेटेड कार्रवाई केस देने का दबाव बनाना जरूरी हो गया है परंतु या फिर निक्कमे अधिकारियों का निलंबन करना समय की मांग है, क्योंकि ऐसा हो ही नहीं सकता कि तंबाकू सेवन या विक्रेता के केस ना हो, अधिकारी एक ढूंढेंगे तो हजारों केस मिल जाएंगे, इसका स्वतःसंज्ञान मंत्रालय स्तर से लेना जरूरी है।

साथियों बात अगर हम तंबाकू खाने से भयंकर बीमारियां और सेहत को नुकसान की करें तो,हर कोई जानता है कि तंबाकू खाना उनकी सेहत को कितना नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन इसके बावजूद लोग इसके सेवन से कभी परहेज नहीं करते। परंतु अभी इसे रोकने के लिए उपलब्ध कानूनों का शक्ति से क्रियान्वयन करना जरूरी है ताकि भविष्य की पीढ़ियों की रक्षा की जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि तंबाकू के इस्तेमाल मेंगिरावट जारी रहे। इस साल,तंबाकूउद्योग के युवाओं को टारगेट कर बनाए गए मार्केटिंग के तरीकों की चिंता बढ़ाने वाली प्रवृत्ति की ओर ध्यान दिया जाना जरूरी है। सोशल मीडिया और लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म वगैरह के जरिए दुनियां भर में युवा तेजी से तंबाकू प्रोडक्ट्स के आकर्षण और संपर्क में आ रहे हैं। यह उनके स्वास्थ्य और समाज के कल्याण के लिए एक बड़ा खतरा है। दुनियां भर के सर्वेक्षण लगातार दिखा रहे हैं कि ज्यादातर देशों में 13 -15 वर्ष की आयु के बच्चे तंबाकू और निकोटीनप्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं।13 से 15 वर्ष की उम्र के बच्चों पर बढ़ रहा खतरा युवाओं में धूम्रपान का प्रचलन बना हुआ है और कई देशों में यह बढ़ रहा है। 13 से 15 वर्ष की आयु के 38 मिलियन से अधिक बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का इस्तेमाल कर रहे हैं। साल 2022 में,15 से 24 साल के बच्चों के बीच पॉपुलर टीवी और वेब शो में तंबाकू वाले विजुअल्स में 110 फीसदी की वृद्धि हुई, जो अक्सर धूम्रपान को ग्लैमरस और कूल के रूप में दिखाते हैं ।ट्रुथ इनिशिएटिव के अनुसार,स्क्रीन पर धूम्रपान की तस्वीरें देखने पर युवाओं में स्मोकिंग शुरू करने की संभावना तीन गुना तक बढ़ जाती है।

साथियों बात अगर हम तंबाकू सेवन में विभिन्न प्रकार का कैंसर होने का प्रमुख कारण बनने की करेंतो,तम्बाकू विभिन्न प्रकार के कैंसरों के लिए प्रमुख कारण है, तथा अकेले धूम्रपान ही फेफड़े के कैंसर से होने वाली 90 प्रतिशत मौतों के लिए जिम्मेदार है ।तम्बाकू उपयोग कर्ताओं की संख्या घटकर 1.25 बिलियन रह जाने के बावजूद, तम्बाकू का उपयोग, विशेष रूप से 13 से 15 वर्ष के बच्चों में, एक बड़ी चुनौती प्रस्तुत करता है ।युवाओं के प्रति तम्बाकू उद्योग की लक्षित रणनीति में ई-सिगरेट, धूम्ररहित तम्बाकू, स्नस, पाउच जैसे नए उत्पादों का विपणन करना तथा पारंपरिक विज्ञापन प्रतिबंधों को दरकिनार करने के लिए डिजिटल प्लेटफार्मों का उपयोग करना शामिल है ।युवाओं की सुरक्षा के विषय पर 31 मई को मनाए जाने वाले विश्व तंबाकू निषेध दिवस से पहले युवा उपभोक्ताओं को लक्षित करने के लिए करों में वृद्धि,अधिकधूम्रपान मुक्त क्षेत्रों, तंबाकू उत्पादों की बिक्री और विपणन पर सख्त नियमों और डिजिटल प्लेटफार्मों के दोहन की वकालत की जा रही है ।युवाओं में तम्बाकू का उपयोग चिंताजनक रूप से बढ़ रहा है, जो उन्हें सीधे कैंसर के बढ़ते जोखिम के प्रति उजागर करता है ।यह कैंसर से पीड़ित और इससे मरने वाले लोगों की संख्या को कम करने के प्रयासों को कमजोर करता है। अगली पीढ़ी को तम्बाकू उत्पादों और भ्रामक ऑनलाइन विज्ञापनों से बचाना और ग्राहक आधार कोनवीनीकृत करने के उद्देश्य से उद्योग की आक्रामक रणनीति का मुकाबला करना हमारा कर्तव्य है। युवाओं को आकर्षित करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए नए उत्पादों-जैसेई-सिगरेट,विशेष रूप से स्वाद वाले उत्पाद धुआं रहित तंबाकू,स्नस और पाउच-के लिए विपणन रणनीतियों पर कड़े नियंत्रण की वकालत की है, जिनका सोशल मीडिया के माध्यम से आक्रामक रूप से प्रचार किया जाता है। तम्बाकू का उपयोग और उसका सेवन कई प्रकार के कैंसर जैसे फेफड़े, स्वरयंत्र, मुंह, ग्रासनली, गला, मूत्राशय, गुर्दे, यकृत, पेट, अग्न्याशय, बृहदान्त्र और गर्भाशय ग्रीवा के साथ-साथ तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया के प्रमुख कारणों में से एक है। ऐसा अनुमान है कि तम्बाकू के सेवन के कारण हर साल 1 करोड़ से अधिक लोग मारे जाते हैं ।तम्बाकू न केवल स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि पर्यावरण पर भी कई तरह से बुरा प्रभाव डालता है।

साथियों बात अगर हम एक अध्ययन की करें तो सात राज्यों (असम,बिहार,गुजरात,कर्नाटक, मध्य प्रदेश,महाराष्ट्र और उड़ीसा) तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में किए गए अध्ययन से पता चला कि इन क्षेत्रों में गुटखा प्रतिबंध के लिए समर्थन बहुत अधिक (92पर्सेंट) है तथा इस बात पर लगभग सर्वव्यापी सहमति (99पर्सेंट) है कि गुटखा प्रतिबंध भारत के युवाओं के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है अभी 8 नवंबर 2024 को कर्नाटक सरकार ने एक सर्कुलर जारी क़र कहा गया, कर्मचारियों के हेल्थ के फायदे के लिए, साथ ही जनता और अन्य सरकारी कर्मचारियों को धूम्रपान से बचाने के लिए, किसी भी सरकारी कर्मचारी द्वारा सार्वजनिक कार्यालय और उसके परिसर में तंबाकू उत्पादों का उपयोग और धूम्रपान पूरी तरह से बैन है।

साथियों बात अगर हम तंबाकू सेवन से विभिन्न प्रकार की बीमारियां होने की करें तो, धूम्रपान और तम्बाकू का सेवन स्वास्थ्य पर कैसे प्रभाव डालता है ?तम्बाकू का सेवन और धूम्रपान हमारे स्वास्थ्य को कई तरह से प्रभावित करता है, यह निम्नलिखित घातक बीमारियों का कारण हो सकता है पाचन तंत्रका कैंसर जैसे जीईआरडी अचलासिया कार्डिया (अग्न्याशय,पेट,मुंह यकृत मलाशय,बृहदान्त्र और ग्रासनली) न्यूरोवैस्कुलर जटिलताएं और तंत्रिका संबंधी विकार के साथ-साथ अन्य न्यूरो संबंधी रोग जैसे स्ट्रोक, मस्तिष्क की छोटी वाहिका इस्केमिक बीमारी (एसवीआईडी) और संवहनी मनोभ्रंश दिल की बीमारी फेफड़े की बीमारी मधुमेह क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) तपेदिककुछ नेत्र रोगतम्बाकू पर्यावरण को कैसे प्रभावित कर रहा है ?विश्व भर में हर साल तम्बाकू उगाने के लिए लगभग 35 लाख हेक्टेयर भूमि नष्ट कर दी जाती हैतम्बाकू की खेती से हर साल 2, लाख़ हेक्टेयर वनों की कटाई होती है और मिट्टी का क्षरण होता है। दुनियां भर में हर साल लगभग 4.5 लाख करोड़ सिगरेट बट का उचित तरीके से निपटान नहीं किया जाताहर साल 80 करोड़ किलोग्राम जहरीला कचरा पैदा होता है और हवा पानी और मिट्टी में हजारों रसायन छोड़े जाते हैंतम्बाकू की खेती के लिए बड़ी मात्रा में पानी का उपयोग, ग्रह से पानी की कमी होती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि तंबाकू सेवन स्वास्थ्य के लिए खतरनाक-तंबाकू निषेध कानून का सख्त क्रियान्वयन समय की मांग ।तंबाकू या धूम्रपान से दूरी हमारे जीवन की गुणवत्ता को सुधारने में मददगार साबित हो सकती है ।तंबाकू निषेध जन जागरण के दिन अब लद गए,अब तंबाकू विक्रेता व सेवनकर्ता दोनों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कार्यवाही पर विचार करना समय की मांग।

प्रदूषण के कारण दिल्ली में बुजुर्ग सांस नहीं ले पा रहे है, छोटे-छोटे बच्चे एस्ट्रॉयड, इनहेलर लेने को मजबूर

सुषमा रानी

नई दिल्ली। पूरे उत्तर भारत में पराली जलने से बढ़ते प्रदूषण के कारण लोगों का सांस लेना दुश्वार हो गया है। बच्चे-बुजुर्गों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। लेकिन भाजपा शासित केंद्र सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। भाजपा शासित केंद्र सरकार के इस लापरवाह रवैये को सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के ज़रिए साझा करते हुए सीएम आतिशी ने कहा कि, देश में पराली जलाने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है लेकिन भाजपा शासित केंद्र सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। प्रदूषण के कारण बुजुर्ग सांस नहीं ले पा रहे है, छोटे-छोटे बच्चे एस्ट्रॉयड, इनहेलर लेने को मजबूर है।

उन्होंने कहा कि, हरियाणा, उत्तर-प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश में पिछले 6-7 सालों में लगातार पराली जलाने की घटनाएं बढ़ी लेकिन केंद्र सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है।

सीएम आतिशी के भाजपा शासित केंद्र से सवाल पूछते हुए कहा कि, अगर पंजाब सरकार पराली जलाने की घटनाओं को 80% तक कम कर सकती है तो बाक़ी राज्य क्यों नहीं? क्यों पूरे उत्तर भारत को मेडिकल इमरजेंसी की ओर धकेल दिया गया है? केंद्र सरकार प्रदूषण के मुद्दे पर सिर्फ़ राजनीति क्यों कर रही है? पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए कोई कदम क्यों नहीं उठा रही है?

उन्होंने कहा कि, भाजपा शासित केंद्र राजनीति करना बंद करें और अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए पराली जलाने की घटनाओं पर रोकथान लगाएं।

सीएम आतिशी ने कहा कि, "आज दिल्ली के लोग बहुत परेशान है। मेरी दिल्ली के लोग सांस नहीं ले पा रहे है। कल रात भर मुझे लोगों के फ़ोन आते रहे। किसी को अपने बुजुर्ग माता-पिता को साँस लेने की दिक्कत के कारण अस्पताल में एडमिट करवाना था तो किसी पेरेंट को अपने छोटे-छोटे बच्चे को देर रात एस्ट्रॉयड के इनहेलर दिलवाना था।"

उन्होंने कहा कि, ₹प्रदूषण के कारण बुजुर्ग साँस नहीं ले पा रहे है, उन्हें हॉस्पिटल में एडमिट होना पड़ रहा है। बच्चे साँस नहीं ले पा रहे है। छोटे-छोटे बच्चों को एस्ट्रॉयड, इनहेलर की ज़रूरत पड़ रही है। ये सब इसलिए हो रहा है क्योंकि देशभर में पराली जल रही है। एक एक राज्य पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा आज हर राज्य में पराली जलाई जा रही है और केंद्र सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है।"

सीएम आतिशी ने कहा कि, "आज पूरे उत्तर भारत को मेडिकल इमरजेंसी में धकेल दिया गया है। चाहे दिल्ली हो, चंडीगढ़ हो, राजस्थान में बीकानेर हो, भोपाल हो, पटना हो, लखनऊ हो। आज पूरे देश में वायु की गुणवत्ता (एक्यूआई) बहुत ख़राब और गंभीर श्रेणी में है

सीएम आतिशी ने कहा कि, "यदि पराली जलाने की घटनाएं देखे तो हरियाणा, उत्तर-प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान हर जगह पराली जलाने की घटनाएं बढ़ती जा रही है। और केंद्र सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है।"

उन्होंने कहा कि, ₹पूरे देश में कोई राज्य है जिसनें पराली जलाने की घटनाओं को कम किया है तो वो पंजाब है। आँकड़े देखे तो पंजाब में जहाँ 2021 में पराली जलाने की 73,300 घटनाएँ हुई थी वो घटकर पिछले साल तक 36,650 हो गया और इस साल तक जब तक़रीबन 90% तक पराली जलाने की घटनाएँ हो चुकी है, पंजाब में मात्र 8404 पराली जलाने की घटनाएँ हुई है।"

उन्होंने साझा किया कि, ₹वही दूसरी तरफ़ अन्य राज्यों के आंकड़े देखे तो उत्तर प्रदेश में पिछले साल की तुलना में पराली जलाने की घटनाएँ 60% बढ़ी है। जहाँ पिछले साल पराली जलाने की 1533 घटनाएँ हुई वो इस साल बढ़कर 1926 हो गई। राजस्थान में भी पराली जलाई जा रही है। 2020 में राजस्थान में पराली जलाने की सिर्फ़ 430 घटनाएं सामने आई वही इस साल ये बढ़कर 1926 पहुँच गया है। और आज देशभर में कहीं सबसे ज़्यादा पराली जलाई जा रही है तो वो मध्य-प्रदेश में जलाई जा रही है। यहाँ 15 सितंबर से 17 नवंबर तक पराली जलाने की 9,600 घटनाएं हुई है यानी रोज़ 700 से ज़्यादा पराली जलाने की घटनाएं मध्य प्रदेश में हो रही है। यही कारण है कि, मध्य प्रदेश के शहरों में हवा की गुणवत्ता देखे तो वो भी बहुत गंभीर श्रेणी में पहुंच गए है।"

सीएम आतिशी ने कहा कि, आज मैं केंद्र सरकार से जानना चाहती हूँ कि, देशभर में पिछले 6-7 साल से पराली जलाना बढ़ता जा रहा है, चाहे हरियाणा हो, उत्तर प्रदेश हो, मध्य प्रदेश हो या राजस्थान। पिछले 6-7 साल में केंद्र सरकार एक कदम बताए जो उन्होंने पराली जलाने की घटनाओं को कम करने के लिए उठाया।"

उन्होंने कहा कि, "अगर पंजाब की सरकार पराली जलाने की घटनाओं को 80% तक कम कर सकती है तो बाक़ी राज्यों में ये क्यों बढ़ रही है? क्यों पूरे उत्तर भारत को मेडिकल इमरजेंसी की ओर धकेल दिया गया है? आज पूरे उत्तर भारत में चाहे हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार के किसी भी राज्य के किसी भी शहर के के किसी भी अस्पताल में जाए तो वहाँ बुजुर्ग-छोटे बच्चे एडमिट दिखेंगे क्योंकि उन्हें सांस लेने में मुश्किल हो रही है।"

सीएम आतिशी ने कहा कि, ₹क्यों केंद्र सरकार इस मुद्दे पर सिर्फ़ और सिर्फ़ राजनीति कर रही है? क्यों केंद्र सरकार पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठा रही है? आज मैं भाजपा शासित केंद्र से अपील करना चाहती हूँ कि, पराली का धुआँ राज्यों की सीमाओं को नहीं देखता, किसी पार्टी को या उसके समर्थक को नहीं देखता। हर राज्य में हर बुजुर्ग-हर बच्चे को साँस लेने में दिक्कत हो रही है चाहे वहाँ आम आदमी पार्टी की सरकार हो या भाजपा की सरकार हो।"

उन्होंने कहा कि, ₹ये केंद्र सरकार की ज़िम्मेदारी है जब देशभर में पराली जलाने से मेडिकल इमरजेंसी जैसे हालात हो गए है तो केंद्र सरकार को सामने आना पड़ेगा और कदम उठाना पड़ेगा। इसलिए भाजपा राजनीति करना बंद करें और सामने आकर उत्तर भारत के सभी राज्यों में पराली जलाने की घटनाएँ कम करें।

दिल्ली की जहरीली हवा में सांस लेना मतलब 49 सिगरेट पीने जैसा...

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर के शहरों में प्रदूषण खतरनाक स्तर पर है। दिल्ली में प्रदूषण इतना ज्यादा है कि एन95 मास्क पहनना जरूरी हो गया है। कई इलाके ऐसे हैं जहां एक्यूआई 100 के आसपास रह रहा है। दिल्ली में कई इलाकों में सांस लेना मतलब सिगरेट पीने जैसा है। प्रदूषण की वजह से दिल्ली-एनसीआर में 10वीं और 12वीं को छोड़कर कक्षाएं ऑनलाइन चल रही हैं।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर के शहरों में प्रदूषण खतरनाक स्तर पर है। दिल्ली के कई इलाके हैं, जो रेड जोन में हैं। वह एक्यूआई 1000 के ऊपर या आसपास है। ऐसे इलाकों में स्वास्थ्य सलाहकार मास्क लगाकर बाहर निकलने या घर से न निकलने की सलाह दे रहे हैं। दिल्ली में कई इलाकों में सांस लेना मतलब सिगरेट पीने जैसा है। राष्ट्रीय राजधानी में सबसे खराब स्थिति 1023 के AQI पर है, जहां एक व्यक्ति प्रतिदिन 49 सिगरेट पीने के बराबर है।

मास्क पहनना हुआ जरूरी

यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल में सामुदायिक चिकित्सा के रेजिडेंट डॉक्टर डॉ. रजत शर्मा ने कहा प्रदूषण इतना बढ़ गया है कि एन95 मास्क पहनना जरूरत बन गई है। स्वस्थ व्यक्ति भी सांस से संबंधित बीमारियों का शिकार हो सकता है। उन्होंने आगे बताया कि सर्जिकल या कपड़े के मास्क नहीं पहनना है। इस हालात में एन95 मास्क बेहतर उपाय है।

शाम पांच बजे एनसीआर का एक्यूआई

शाम को पांच बजे के समय गाजियाबाद का एक्यूआई 603 दर्ज किया गया, जबकि वसुंधरा इलाके का 1176 दर्ज किया गया। गुरुग्राम का 608 और आर्य नगर इलाके का एक्यूआई 1023 दर्ज किया गया। फरीदाबाद का 475 और नोएडा का एक्यूआई 459 दर्ज हुआ।

कहां सबसे ज्यादा एक्यूआई (समय साढ़े 4 बजे)

दिल्ली में शाम को साढ़े चार बजे मंदिर मार्ग इलाके का एक्यूआई 1063 दर्ज किया गया। मुंडका में 1023, गुरुग्राम के आर्य नगर में भी 1023 एक्यूआई, जहांगीरपुरी में 1003, पंजाबी बाग में 911, इहबास में 945 और आनंद विहार में 956 दर्ज किया गया। नई दिल्ली में एक्यूआई 805 बना दर्ज किया। दिल्ली के सभी इलाकों में एक्यूआई खतरनाक स्तर पर है।

दिल्ली-एनसीआर में ग्रेप का चौथा चरण लागू

दिल्ली-एनसीआर में ग्रेप का चौथा चरण लागू है। इसके तहत कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं। इनमें निजी और सरकारी निर्माण कार्यों और खनन के कार्यों पर रोक लगी हुई है। इसके अलावा दिल्ली में बीएस-4 डीजल और बीएस-3 पेट्रोल वाहनों के प्रवेश पर रोक है। साथ ही ट्रकों की एंट्री पर बैन है। इसके अलावा दिल्ली-एनसीआर में 10वीं और 12वीं को छोड़कर बाकी कक्षाएं ऑनलाइन चलाई जा रही हैं।

भाजपा पिछले 10 साल से...', कैलाश गहलोत के BJP में शामिल होने के बाद केजरीवाल ने लगाए गंभीर आरोप

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटे आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को पदाधिकारी सम्मेलन के दौरान दक्षिणी दिल्ली उत्तर पूर्वी दिल्ली और पूर्वी दिल्ली लोकसभा में मंडल प्रभारियों से हर बूथ जीतने का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा पिछले 10 साल से हमारी पार्टी को तोड़ने में लगी है लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली है।

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को पदाधिकारी सम्मेलन के तरह दक्षिणी दिल्ली, उत्तर पूर्वी दिल्ली दिल्ली और पूर्वी दिल्ली लोकसभा में मंडल प्रभारियों से बात कर हर बूथ जीतने का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि भगवान आप के साथ हैं और इस बार भी हम लोग प्रचंड बहुमत के साथ दिल्ली का चुनाव जीतेंगे।

आप सरकार में मंत्री रहे कैलाश गहलोत द्वारा मंत्री पद के साथ पार्टी छोड़ देने के एक दिन बाद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा वाले अपनी सारी ताकत लगाकर पिछले दस साल से हमारी पार्टी तोड़ने में लगे हैं। मगर उन्हें सफलता हाथ नहीं लगी है। इसके साथ ही केजरीवाल ने फिर दोहराया कि उनकी पत्नी, बच्चे, उनके चाचा, ताऊ या कोई भी रिश्तेदार चुनाव नहीं लड़ने वाला है। उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने कहा कि टिकट उसे मिलेगा जो हर तरह से उनकी कसौटी पर खरा उतरेगा।

'यह समझें कि 70 की 70 सीटों पर केजरीवाल लड़ रहा'

केजरीवाल ने कहा कि मैं जब जेल से आया था, बहुत लोगों ने कहा था कि अपनी पत्नी को सीएम बनवा दो। मगर मैंने उसे नहीं माना, मैंने कहा कि मैं यहां पर भाई-भतीजावाद करने के लिए नहीं आया हूं। केजरीवल ने साफ किया कि जिसको भी टिकट दूंगा, बहुत सोच समझकर कर दूंगा। इसलिए जिसको जो जिम्मेदारी मिले, वह उसे पूरा करे। उन्होंने कहा कि पार्टी के हर व्यक्ति को यह समझना पडेग़ा कि 70 की 70 सीटों पर केजरीवाल लड़ रहा है।

भगवान ने अपना सुदर्शन चक्र चलाया और हम जीत गए: केजरीवाल

इसके साथ ही केजरीवाल ने महापौर चुनाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महापौर चुनाव में भगवान ने हमें यह संकेत दे दिया है कि वह हमारे साथ हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा वाले पूरे आत्मविश्वास में थे कि पैसा और पावर से हमारे पार्षदों को तोड़कर महापौर का चुनाव जीत लेंगे, लेकिन भगवान ने अपना सुदर्शन चक्र चलाया और हम जीत गए।

अरविंद केजरीवाल ने सक्रिय राजनीति करने वाले राघवेंद्र शौकीन के नाम पर लगाई मुहर : मनीष सिसोदिया

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली में जाट समाज के लोकप्रिय नेता राघवेंद्र शौकीन सीएम आतिशी की कैबिनेट में नए मंत्री होंगे। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राघवेंद्र शौकीन के नाम पर मुहर लगा दी है। इस बाबत जानकारी साझा करते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने बताया कि राघवेंद्र शौकीन जाट समुदाय के लोकप्रिय नेता हैं और वह दिल्ली देहात में सक्रिय राजनीति करते रहे हैं। उन्होंने दिल्ली सरकार में विभिन्न क्षेत्रों में योगदान दिया है। अरविंद केजरीवाल की पढ़ी-लिखी टीम में राघवेंद्र शौकीन सिविल इंजीनियर हैं। राघवेंद्र शौकीन नांगलोई जाट से दूसरी बार विधायक हैं, जबकि दो बार पार्षद भी रह चुके हैं। हमें पूरी उम्मीद है कि वह दिल्ली के लोगों की खूब सेवा करेंगे और अपनी ज़िम्मेदारियां पूरी निष्ठा से निभाएंगे।

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय पर आप नेता राघवेंद्र शौकीन के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता कर कहा कि दिल्ली को एक नया कैबिनेट मंत्री मिल रहा है अरविंद केजरीवाल जी ने तय किया है कि राघवेंद्र शौकीन, मुख्यमंत्री आतिशी की कैबिनेट में मंत्री होंगे। हम सब जानते हैं कि राघवेंद्र शौकीन जाट समुदाय के एक लोकप्रिय नेता हैं और उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में काफी काम किया है। जिस तरह आम आदमी पार्टी के बारे में कहा जाता है कि यह पढ़े-लिखे लोगों की पार्टी है, अरविंद केजरीवाल खुद पढ़े-लिखे हैं, और उनकी टीम भी पढ़ी-लिखी है। राघवेंद्र शौकीन भी सिविल इंजीनियर रह चुके हैं। वह दो बार नांगलोई जाट से विधायक रहे हैं और उससे पहले दो बार पार्षद भी रहे हैं। उन्होंने दिल्ली सरकार में अलग-अलग समय पर विभिन्न क्षेत्रों में योगदान दिया है और दिल्ली देहात में सक्रिय राजनीति करते रहे हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि राघवेंद्र शौकीन दिल्ली के लोगों की सेवा करेंगे और जो भी ज़िम्मेदारियां उन्हें मिलेंगी, उन्हें पूरी निष्ठा से निभाएंगे। साथ ही, वह दिल्ली देहात के क्षेत्र, जिसका वे प्रतिनिधित्व करते हैं, की आवाज़ बनकर उभरेंगे।

वहीं, आप नेता राघवेंद्र शौकीन ने कहा कि मैं अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और पार्टी के सभी शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने मुझे यह अवसर दिया। आम आदमी पार्टी हमेशा हर समाज को साथ लेकर चलती रही है, जबकि भाजपा ने हमेशा जाट समुदाय के खिलाफ काम किया है, चाहे वह किसान आंदोलन हो, पहलवानों का मुद्दा हो, या फिर हरियाणा के चुनाव हों। भाजपा ने हरियाणा के चुनावों को 'जाट बनाम अन्य' बना कर जीता और हमारे समाज को विभाजित करने का काम किया। चूंकि वहां हिंदू-मुस्लिम विभाजन का मुद्दा नहीं चलता था, इन्होंने जाट-नॉन जाट करके हरियाणा को बांटने का काम किया। अरविंद केजरीवाल ने मुझे जो यह अवसर दिया है, उससे मैं दिल्ली प्रदेश का बेहतर विकास करने का प्रयास करूंगा और नांगलोई की जनता की ओर से भी उनका धन्यवाद करता हूं।

सरस आजीविका मेला में ग्रमीण महिलाओं ने किया है रचनात्मकता का अद्वितीय प्रदर्शन

सुषमा रानी

नई दिल्लीः भारत मंडपम में आयोजित 43वें विश्व व्यापार मेले के हॉल नंबर 9 और 10 में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) द्वारा समर्थित सरस आजीविका मेला 2024 का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डॉ. चन्द्र शेखर पेम्मासानी ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं ने रचनात्मकता का अद्वितीय प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि यह मेला ग्रामीण भारत की महिलाओं के आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। डॉ. पेम्मासानी ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि सरस आजीविका मेला न केवल ग्रामीण महिलाओं को उनके उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने का मंच प्रदान करता है, बल्कि उन्हें बेहतर विपणन और पैकेजिंग तकनीकों में भी पारंगत बनाता है। यह मेला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'लखपति दीदी' अभियान को साकार करने का एक महत्वपूर्ण कदम है और 'आत्मनिर्भर भारत' तथा 'वोकल फॉर लोकल' जैसी सरकारी पहलों का उत्कृष्ट उदाहरण है।"

इस अवसर पर केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के अपर सचिव चरणजीत सिंह, संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा, निदेशक मोलीश्री, सीएल कटारिया और आलोक जवाहर सहित मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मेला 14 नवंबर से 27 नवंबर 2024 तक चलेगा, जिसमें 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 300 से अधिक स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं भाग ले रही हैं। हॉल नंबर 9 और 10 में लगे 150 से अधिक स्टॉलों पर विभिन्न प्रकार के उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डॉ. चन्द्र शेखर पेम्मासानी ने स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा महिलाओं को प्रोत्साहित भी किया। इनमें आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश की रेशम और सूती साड़ियाँ, झारखंड की तसर साड़ियाँ, मध्य प्रदेश की चंदेरी साड़ी, जम्मू-कश्मीर की पश्मीना शॉल, असम और आंध्र प्रदेश के लकड़ी के हस्तशिल्प, तथा हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के हस्तनिर्मित उत्पाद प्रमुख हैं।

मेले में उत्पाद पैकेजिंग, संचार, और बी2बी मार्केटिंग पर विशेष कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं ताकि ग्रामीण महिलाएं अपने उत्पादों को मुख्यधारा के बाजार में सफलतापूर्वक उतार सकें। यह मेला ग्रामीण क्षेत्रों की पारंपरिक कला और शिल्प को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ स्थानीय उत्पादों की मांग को भी बढ़ावा देता है।

मेले में बड़ी संख्या में आगंतुक पहुंचे, जिन्होंने जमकर खरीदारी की और ग्रामीण कलाओं की सराहना की। विभिन्न खाद्य उत्पादों, मसालों और अचार के स्टॉलों पर भी लोगों ने विशेष रुचि दिखाई।

सरस आजीविका मेला 1999 से ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है और यह ग्रामीण महिलाओं को रोजगार के नए अवसर प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें शहरी बाजार से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। मेले में 'एक जिला एक उत्पाद' पैवेलियन, स्वास्थ्य डेस्क और मातृ देखभाल कक्ष जैसे विशेष आकर्षण भी हैं, जो इस मेले को और भी समृद्ध बनाते हैं।

सरस आजीविका मेला 2024 निश्चित रूप से ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में एक और प्रभावी कदम साबित होगा।

गैस चैंबर बनी दिल्ली: घर से बाहर निकलें तो पहनें N95 मास्क, कई इलाकों में शाम 7 बजे भी AQI 900 पार

दिल्ली की हवा दम घोंट रही है। गैस चैंबर बनी दिल्ली में सांस लेने के लिए मास्क लगाना जरूरी हो गया है। चिकित्सक घर से बाहर न निकलने की सलाह दे रहे हैं। सोमवार को शाम सात भी एक्यूआई (AQI) कई जगहों पर 900 के पार था। बच्चों से लेकर बुजुर्गों और युवाओं के लिए स्वास्थ्य के लिए दिल्ली की हवा खतरनाक है।

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली की आबोहवा जहरीली बनी हुई है। ग्रेप का चौथा चरण लागू है, लेकिन वायु गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं हो रहा है। दिल्ली के कई ऐसे इलाके हैं, जहां शाम को 4 से 5 बजे के बीच एक्यूआई 1000 के पार रहा या आसपास रहा। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में एक्यूआई खतरनाक स्तर यानी 450 से ऊपर ही है।

दिल्ली में स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियां भी बढ़ गई हैं। दिल्ली के अस्पतालों में सांस लेने में दिक्कत और गले में जलन जैसे परेशानी वाले मरीज भी ज्यादा संख्या में आ रहे हैं। स्वास्थ्य सलाहकार लोगों को एन95 मास्क पहनने की सलाह दे रहे हैं, ताकि प्रदूषण से बचा जा सके।

इसके अलावा बिना जरूरी काम के घर से बाहर न जालने की सलाह दी गई है। दिल्ली में फिलहाल जितना एक्यूआई रह रहा है, उससे सांस और हृदय संबंधी बीमारियां हो सकती हैं।

दिल्ली में कहां सबसे ज्यादा एक्यूआई

दिल्ली में सोमवार (18 नवंबर) शाम सात बजे एक्यूआई गंभीर श्रेणी से लेकर खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। आनंद विहार में एक्यूआई 936, जहांगीरपुरी में 871, मदर डेयरी में 908, मुंडका में 839, नई दिल्ली में 731, ग्रीन पार्क में 706, मंदिर मार्ग में 746, पंजाबी बाग में 809, इहबास में 915, दर्ज किया गया। गाजियाबाद के वसुंधरा में एक्यूआई 1176 एनसीआर में फिलहाल सबसे ज्यादा दर्ज किया गया है।

सतर्क रहने की बहुत जरूरत

सर गंगा राम अस्पताल में चेस्ट मेडिसिन विभाग के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. उज्ज्वल पारख ने कहा कि लोगों को बेहद सतर्क रहने की जरूरत है। हर किसी को जितना संभव हो सके बाहर निकलने से बचना चाहिए। अगर उन्हें बाहर जाना ही है तो वायु प्रदूषण के प्रभावों को कम करने के लिए मास्क का उपयोग करना चाहिए। मास्क एन95 ज्यादा कारगर है।

उन्होंने खिड़कियां और दरवाजे बंद रखने और HEPA-फिल्टर एयर प्यूरीफायर का उपयोग करने की सलाह दी। पारख ने कहा कि हाइड्रेटेड रहने के लिए बहुत सारे तरल पदार्थ पीना भी जरूरी है। फेफड़ों की बीमारियों वाले लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए और अपनी दवाओं का नियमित सेवन करना चाहिए।

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को लेकर डॉक्टर ने चेताया, घर से बाहर निकलना हो सकता है खतरनाक; पढ़ें बचाव के उपाय

सर गंगा राम अस्पताल में चेस्ट मेडिसिन विभाग के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. उज्ज्वल पारेख ने इस बात पर जोर दिया कि इस समय लोगों को बेहद सतर्क रहने की जरूरत है। हर किसी को जितना संभव हो सके बाहरी गतिविधियों से बचना चाहिए और अगर बाहर जाना ही पड़े तो वायु प्रदूषण के प्रभाव को कम करने के लिए मास्क का उपयोग करना चाहिए।

नई दिल्ली। दिल्ली की वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सोमवार को 'गंभीर प्लस' श्रेणी में पहुंचने और इस मौसम के सबसे खराब स्तर पर पहुंचने के कारपण डॉक्टरों ने इसके स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में चिंता जताई है। इसके साथ ही डॉक्टर ने आगाह किया कि जहरीली हवा संवेदनशील लोगों को नुकसान पहुंचा सकती है। डॉक्टरों ने दिल्लीवासियों को बाहरी गतिविधियों को कम करने, हाइड्रेटेड रहने और इनडोर पार्टिकुलेट मैटर को कम करने के लिए HEPA फिल्टर वाले वायु शोधक का उपयोग करने की सलाह दी। डॉक्टरों ने बताया जिन लोगों को पहले से फेफड़े या दिल की बीमारी है, उन्हें सतर्क रहना चाहिए और अपनी दवाएं लेते रहना चाहिए।

कई जगहों पर एक्यूआई 500 के पार : दिल्ली की वायु गुणवत्ता सोमवार को सुबह 8 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 484 के साथ एक नए निचले स्तर पर पहुंच गई और दोपहर 1 बजे तक और खराब होकर 490 हो गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, द्वारका सेक्टर 8, नजफगढ़, नेहरू नगर और मुंडका सहित कुछ निगरानी स्टेशनों ने अधिकतम AQI स्तर 500 दर्ज किया।

स्वस्थ व्यक्ति भी हो सकता है बीमार : रजत शर्मा ने कहा, "वायु प्रदूषण का जो गंभीर स्तर हम देख रहे हैं, उसके लिए तत्काल सुरक्षात्मक उपाय किए जाने चाहिए। इसके लिए मास्क का उपयोग करना अनिवार्य हो जाता है। यह अब केवल संवेदनशील लोगों के बारे में नहीं है, बल्कि एक स्वस्थ व्यक्ति भी के लिए जोखिम भरा हो सकता है।"

घरों की खिड़कियां और दरवाजे बंद रखें: डॉ. उज्ज्वल पारेख

सर गंगा राम अस्पताल में चेस्ट मेडिसिन विभाग के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. उज्ज्वल पारेख ने इस बात पर जोर दिया कि लोगों को बेहद सतर्क रहने की जरूरत है। हर किसी को जितना संभव हो सके बाहरी गतिविधियों से बचना चाहिए और अगर बाहर जाना ही पड़े तो वायु प्रदूषण के प्रभाव को कम करने के लिए मास्क का उपयोग करना चाहिए।" उन्होंने घरों की खिड़कियां और दरवाजे बंद रखने की सलाह दी।

प्रचार का शोर थमा, निगम की टीम ने हटाए बैनर-पोस्टर; 20 नवंबर को 507 बूथों पर डाले जाएंगे वोट

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रचार थम गया है और नगर निगम की टीम ने बिना अनुमति लगे पोस्टर और बैनर हटाने का अभियान शुरू कर दिया है। 20 नवंबर को मतदान होगा और 23 नवंबर को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे। प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता उपाय किए गए हैं ताकि शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न कराया जा सके।

गाजियाबाद। गाजियाबाद शहर विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उपचुनाव के मद्देनजर सोमवार शाम पांच बजे प्रचार का शोर थम गया है। इसके साथ ही नगर निगम की टीम ने बिना अनुमति के लगाए पोस्टर, बैनर हटाने का अभियान शुरू कर दिया है।

छह माह पहले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने गाजियाबाद शहर विधानसभा क्षेत्र के विधायक अतुल गर्ग को प्रत्याशी बनाकर चुनाव के मैदान में उतारा। अतुल गर्ग ने लोकसभा चुनाव में जीत के बाद विधानसभा सदस्य के पद से इस्तीफा दे दिया। ऐसे में गाजियाबाद शहर विधानसभा सीट पर उपचुनाव हो रहा है। चुनाव के मैदान में कुल 14 प्रत्याशी हैं और सबने मतदाताओं को साधने के लिए हरसंभव प्रयास किया।

23 नवंबर को मतगणना के बाद चुनाव परिणाम घोषित

अब 20 नवंबर को मतदान होना है। अधिक से अधिक मतदाता मतदान करें, जिससे कि चुनाव में मतदान प्रतिशत बेहतर हो। इसके लिए घर-घर जाकर लोगों से मतदान की अपील प्रत्याशी और उनके समर्थक करेंगे। 23 नवंबर को मतगणना के बाद चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी रणविजय सिंह ने बताया कि शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न कराया जाएगा।

507 बूथों पर मताधिकार का होगा प्रयोग

गाजियाबाद शहर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए पोलिंग पार्टियों को कमला नेहरू नगर से मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया जाएगा। 507 बूथों पर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए मतदान कर सकेंगे। उपचुनाव के मद्देनजर लगभग तीन हजार अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। कमला नेहरू नगर स्थित पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल पर टेंट लगाया गया गया है, बैरिकेडिंग की गई है।

ईवीएम-वीवीपैट को लेकर मतदान केंद्रों पर भेजा जाएगा

सोमवार को जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग के निर्देशानुसार उपचुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। मंगलवार को पोलिंग पार्टियों को ईवीएम और वीवीपैट को लेकर मतदान केंद्रों पर भेजा जाएगा, मतदान केंद्रों पर पोलिंग पार्टियों के रुकने के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने मतदाताओं से अपील की है कि बुधवार को होने वाले उपचुनाव में सभी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

गाजियाबाद में 12वीं तक के स्कूल बंद, 20 नवंबर को रहेगा अवकाश

गाजियाबाद जिले में स्कूलों को बंद कर दिया गया है। हालांकि कक्षाएं ऑनलाइन चलेंगी क्योंकि यह उपचुनाप के मद्देनजर फैसला लिया गया है। वहीं 20 नवंबर को स्कूलों का अवकाश रहेगा क्योंकि गाजियाबाद शहर विधानसभा सीट (Ghaziabad Upchunav) पर उपचुनाव होने को हैं। प्रदूषण को लेकर अभी तक कोई आदेश जानी नहीं किया गया है।

गाजियाबाद। गाजियाबाद जिले में स्कूलों को बंद कर दिया गया है। हालांकि कक्षाएं ऑनलाइन चलेंगी, क्योंकि यह उपचुनाप के मद्देनजर फैसला लिया गया है। वहीं, 20 नवंबर को स्कूलों का अवकाश रहेगा, क्योंकि गाजियाबाद शहर विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने को हैं। प्रदूषण को लेकर अभी तक कोई आदेश जानी नहीं किया गया है।

उपचुनाव के मद्देनजर गाजियाबाद शहर के 12वीं तक के स्कूलों में मंगलवार को ऑनलाइन क्लासेज होंगी, 20 नवंबर (बुधवार) को मतदान के मद्देनजर जिले में सार्वजनिक अवकाश है। ऐसे में बुधवार को जिले में स्कूलों के साथ ही सभी औद्योगिक इकाइयों और सरकारी कार्यालयों में अवकाश रहेगा।

स्कूल वाहन रहेंगे व्यस्त

जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि उपचुनाव में स्कूलों को मतदान केंद्र बनाया गया है। स्कूली वाहनों को पोलिंग पार्टियों की रवानगी और उनको मतदान संपन्न होने के बाद वापस लेकर आने के लिए लगाया गया है। इस वजह से 12वीं तक के स्कूलों में ऑनलाइन क्लासेज चलेंगी, विद्यार्थी स्कूल नहीं जाएंगे। 20 नवंबर को जिले में सार्वजनिक अवकाश है।

बिजली चोरी करने पर 9.81 का लाख जुर्माना, अदालत ने खारिज की उपभोक्ता की अपील

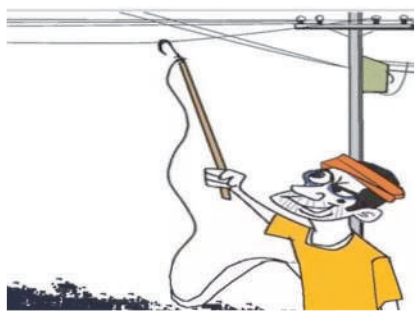

अदालत ने बिजली चोरी के एक मामले में बिजली निगम के पक्ष में फैसला सुनाया है। उपभोक्ता पर 9 .81 लाख रुपये की चोरी का आरोप था। अदालत ने उपभोक्ता द्वारा दायर केस को खारिज कर दिया। बिजली निगम ने उपभोक्ता को नोटिस जारी किया था जिसके बाद उपभोक्ता ने अदालत का दरवाजा खटखटाया था। आगे जानिए आखिर पूरा मामला क्या है।

गुरुग्राम। हरियाणा के बादशाहपुर में एक उपभोक्ता पर 9.81 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। उपभोक्ता ने इस मामले में बिजली विभाग के खिलाफ कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। वहीं, अब इस मामले में उपभोक्ता की ओर से दायर अपील को अदालत ने खारिज कर दिया गया है।

बता दें कि सिविल जज (जूनियर डिवीजन) मनजोत कौर की अदालत ने बादशाहपुर बिजली निगम के उपभोक्ता पर बनाए गए 9.81 लाख रुपये की चोरी के केस को सही करार दिया है। अदालत ने उपभोक्ता के बिजली निगम के विरुद्ध दायर केस को खारिज कर दिया। वहीं, कोर्ट द्वारा अपील खारिज खरने से उपभोक्ता को झटका लगा है।

उपभोक्ता पर बनाया था चोरी का केस

वहीं, बिजली निगम की तरफ से अदालत में पैरवी अधिवक्ता बीपी शर्मा ने की। बिजली निगम ने सेक्टर-17 की रहने वाली बिजली उपभोक्ता अनुपमा कुमारिया के दरबारीपुर रोड पर बिजली कनेक्शन से चोरी करने का केस बनाया था।

बिजली चोरी करते पकड़ा गया था उपभोक्ता

सेक्टर-17 की रहने वाली अनुपमा कुमारिया का दरबारीपुर रोड पर एक बिजली कनेक्शन चल रहा था। दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण की विजिलेंस टीम के एसडीओ प्रमोद कुमार ने 21 नवंबर 2022 को दरबारीपुर रोड स्थित अनुपमा कुमारिया के बिजली मीटर को चेक किया। बिजली निगम ने उस समय डायरेक्ट केबल डालकर बिजली चोरी करते पकड़ा गया।

उपभोक्ता पर लगाया था 9.81 लाख का जुर्माना

बादशाहपुर बिजली निगम के एसडीओ ने उपभोक्ता अनुपमा कुमारिया को 9.81 लाख रुपये का नोटिस थमाया। अनुपमा कुमारिया के बेटे भवनीश कुमारिया ने बिजली निगम के इस चोरी के केस को अदालत में चुनौती दी।

छापेमारी के दौरान कराई थी वीडियोग्राफी

बिजली निगम के अधिवक्ता बीपी शर्मा ने बताया कि जिस समय छापेमारी की गई थी। उस समय पूरी वीडियोग्राफी की गई थी। मौके से चोरी में प्रयोग की जाने वाली बिजली केबल आदि भी बरामद की गई थी। मौके पर आकाश नामक व्यक्ति मौजूद था। चेकिंग रिपोर्ट पर आकाश के हस्ताक्षर भी कराए गए थे।

बिजली निगम के एसडीओ को बनाया था पार्टी

उपभोक्ता ने इस मामले में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के सोहना डिवीजन के कार्यकारी अभियंता, सर्कल टू के अधीक्षण अभियंता और बादशाहपुर बिजली निगम के एसडीओ को पार्टी बनाया था।

चोरी के केस को सही पाया गया

अदालत ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद बिजली निगम के चोरी के केस को सही पाया। वादी भवनीश कुमारिया के केस को डिसमिस कर दिया।

सिपाही की वर्दी फाड़ी, म्यूजिक सिस्टम बंद कराने पहुंची थी पुलिस; सबूतों के अभाव में 3 आरोपी बरी

गुरुग्राम के बादशाहपुर में पुलिस की वर्दी फाड़ने और मारपीट करने के आरोपित को अदालत ने सबूतों के अभाव में बरी कर दिया है। बताया गया कि पुलिस को तेज आवाज में म्यूजिक सिस्टम बजाने की सूचना मिली थी जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान आरोपितों ने पुलिस के साथ हाथपाई व सिपाही की वर्दी फाड़ दी थी।

ग्रेटर नोएडा। गुरुग्राम के बादशाहपुर के अर्जुन नगर में तेज आवाज में बज रहे म्यूजिक सिस्टम को बंद करने पहुंचे पुलिस कर्मियों की वर्दी फाड़ने और मारपीट करने के तीन आरोपित अदालत ने सबूतों के अभाव में बरी कर दिए। आरोपितों की पैरवी अधिवक्ता सन्नी तंवर ने की।

एक आरोपित की हो गई थी हत्या

बताया गया कि एक आरोपित की पिछले साल हत्या हो गई थी। अर्जुन नगर पुलिस चौकी ने हेड कांस्टेबल सुप्रीम की शिकायत पर आरोपितों के विरुद्ध मामला दर्ज किया था।

रात में गश्त पर थे हेड कॉन्स्टेबल और सिपाही

हेड कांस्टेबल सुप्रीम ने अर्जुन नगर पुलिस चौकी में 4 फरवरी 2016 को शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को नामजद किया था। पुलिस का आरोप था कि हेड कॉन्स्टेबल सुप्रीम और सिपाही जितेंद्र रात करीब एक बजे गश्त पर थे।

तेज आवाज में म्यूजिक सिस्टम बजाने की मिली थी शिकायत

इस दौरान उन्हें अर्जुन नगर की गली नंबर 5 में तेज आवाज में म्यूजिक सिस्टम बजाने की शिकायत मिली। वह मौके पर पहुंचकर म्यूजिक सिस्टम बंद करने की कह रहे थे। इसी दौरान राजेश मेघराज, नितिन, दीपक उनसे बहस करने लगे।

मारपीट के दौरान फाड़ी थी सिपाही की वर्दी

हाथापाई करते हुए वे लोग कहने लगे कि

शादी के बीच में अड़ंगा मत बनो। जब उनके साथ अन्य आठ-10 लोग मिलकर मारपीट करने लगे तो उन्होंने इस घटना की जानकारी पुलिस चौकी में दी। मारपीट के दौरान सिपाही जितेंद्र की वर्दी फाड़ दी और सभी लोग मारने पीटने के लिए उनके पीछे दौड़ने लगे।

फरार हो गए थे झगड़ा करने वाले सभी लोग

सूचना पाकर अर्जुन नगर पुलिस चौकी इंचार्ज हेड कांस्टेबल चरण सिंह, सहायक उप निरीक्षक निरंजन, पीसीआर स्टाफ के हेड कांस्टेबल अशोक, सिपाही प्रवीण और राजकुमार भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस के पहुंचने पर राजेश, मेघराज और झगड़ा करने वाले सभी लोग फरार हो गए।

सभी आरोपितों के विरुद्ध दर्ज किया गया था मामला

पुलिस ने हेड कांस्टेबल सुप्रीम की शिकायत पर सभी आरोपितों के विरुद्ध मामला दर्ज किया। आरोपितों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने अदालत में चार्जशीट दाखिल की। इस दौरान आरोपित नितिन को पिछले साल किसी ने गोली मार कर हत्या कर दी। तीनों आरोपितों के विरुद्ध अदालत में मामला विचार अधीन था। अधिवक्ता सन्नी तंवर अदालत ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद तीनों आरोपितों को बरी कर दिया।

नोएडा प्राधिकरण के दफ्तर पर किसानों ने जड़ा ताला, गेट के बाहर धरने पर बैठे

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के कार्यालय पर किसानों ने ताला जड़ दिया है। मौके पर भारी पुलिस बल को तैनात किया गया है। प्राधिकरण गेट के बाहर किसानों ने डेरा डाल लिया है और अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। यह धरना भारतीय किसान यूनियन मंच के बैनर तले किया जा रहा है।

बुलडोजर एक्शन पर कोर्ट का आदेश मनमानी पर अंकुश

बुलडोजर एक्शन में यही बात नजर आती है। दरअसल यह काम देश की अदालतों का है कि सुनवाई के बाद आरोपी को सजा देने या नहीं देने का। बुलडोजर एक्शन में ऐसे न्याय की संभावना पहले ही खत्म हो जाती है, जहां बगैर किसी सुनवाई के फैसला सुना दिया जाता है।

सरकारें की गलतफहमी है कि एक बार चुनाव जीतने के बाद उन्हें मनमानी का अधिकार मिल जाता है। इसी भ्रम में सरकारें अपने को अदालत से ऊपर समझने लगती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोर एक्शन के मामले में फैसला देकर सरकारों का यह सपना तोड़ दिया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला दिल्ली की आप सरकार के मामले में दिया है, किन्तु यह लागू सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पर होता है। सुप्रीम कोर्ट ने 13 नवंबर को बुलडोजर एक्शन के खिलाफ दायर याचिका पर फैसला सुनाते हुए तीखी टिप्पणी की। साथ ही बुलडोजर की कार्रवाई को लेकर गाइडलाइन तय कर दी। फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने दो टूक कहा कि किसी भी मामले में आरोपी होने या दोषी ठहराए जाने पर भी घर तोडना सही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने जमीयत उलेमा-ए-हिन्द बनाम उत्तरी दिल्ली नगर निगम व अन्य से संबंधित केस में दो टूक कहा है कि इस मामले में मनमाना रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारी मनमाने तरीके से काम नहीं कर सकते। बगैर सुनवाई आरोपी को दोषी नहीं करार नहीं दिया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा अपना घर पाने की चाहत हर दिल में होती है। यद्यपि यह फैसला दिल्ली सरकर से संबंधित है पर इसमें कोई दो राय नहीं है कि इस फैसले के बाद अब योगी सरकार के लिए बुलडोजर एक्शन लेना भी मुश्किल हो जाएगा। कार्यपालिका के पास असीम शक्तियां होती हैं। इसी बल पर हर साल सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को कार्यपालिका विभिन्न कारणों को आधार बनाकर सैकड़ों आदेशों का अनुपालन नहीं करती है।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार से शुरु हुआ बुलडोजर एक्शन का यह सिलसिला पूरे देश में फैल गया था। राज्यों की सरकारों ने इसका राजनीतिक इस्तेमाल करने में कसर बाकी नहीं रखी। वोट बैंक राजनीति ऐसे फैसलों में साफ नजर आती है। हालांकि उत्तर प्रदेश में बुलडोजर एक्शन अपराधियों के आवास और व्यवसायिक प्रतिष्ठान गिराने के लिए लिया गया था। बुलडोजर एक्शन में भी अपराधियों में भेदभाव के उदारहण मौजूद हैं। इसका दुरुपयोग भी सांप्रदायिक आधार पर किया गया। इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसी सख्त कार्रवाई से अपराधियों में कहीं न कहीं खौफ उत्पन्न होता है। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने जिस तरह माफिया या गैंगस्टर का सफाया किया, उससे काफी हद तक अपराधों पर लगाम लग सकी है। इस कार्रवाई से शायद ही कोई इत्तफाक रखता हो। सवाल यही आता है कि अपराध रोकने की आड़ में सरकार क्या कानून से ऊपर है।

बुलडोजर एक्शन में यही बात नजर आती है। दरअसल यह काम देश की अदालतों का है कि सुनवाई के बाद आरोपी को सजा देने या नहीं देने का। बुलडोजर एक्शन में ऐसे न्याय की संभावना पहले ही खत्म हो जाती है, जहां बगैर किसी सुनवाई के फैसला सुना दिया जाता है। इससे यदि आरोपी गलत ना भी हो तो उसे घर या दुकान तुड़वाने की सजा भुगतनी पड़ती है। जबकि सजा तय करने की जिम्मेदारी अदालतों की है। सरकारों की यह हरकत निश्चित तौर पर अदालतों के मामले में दखलंदाजी रही है। बुलडोजर एक्शन की कार्रवाई सरकारों को बेशक सस्ती लोकप्रियता दिला सकती है, न्याय नहीं। महाराजगंज जिले में सड़क के फोर लेन की चौड़ीकरण के संबंध में एक व्यक्ति के मकान गिराने के लेकर कोर्ट ने काफी तीखी टिप्पणी दी और उत्तर प्रदेश सरकार पर 25 लाख का जुर्माना भी लगाया। हालांकि यह विकास कार्यों के लिए की गई कार्रवाई थी। इसमें सरकार की वह मंशा नहीं थी कि किसी अपराधी का घर गैरकानूनी अवैध कब्जा की बात कहकर गिराई गई हो। फिर भी कोर्ट ने पीड़ित की बात सुनी। इस तरह के अतिक्रमण हटाने के भी कायदे-कानून बने हुए हैं। उनका पालना किए गए बगैर सीधे बुलडोजर दौड़ा देना, अन्याय ही कहा जाएगा। ऐसे मामलों की भी कमी नहीं हैं, जहां आम आदमी की सम्पत्ति को अतिक्रमण के नाम पर ढहा दिया जाता है, वहीं रसूखदारों की तरफ प्रशासन की आंख उठाने की भी हिम्मत नहीं होती।

देश का शायद ही ऐसा कोई शहर होगा जहां, प्रभावशाली लोगों के अतिक्रमण तोडने में सरकार और प्रशासन ने उदाहरण पेश किए होंगे। सरकार और प्रशासन प्रभावशाली लोगों के सामने कैसे नतमस्तक हो जाते हैं, इसका सबसे बड़ा उदाहरण नोएडा के ट्विन टावर का मामला है। सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2021 में सुपरटेक के नोएडा एक्सप्रेसवे पर स्थित एमराल्ड कोर्ट प्रोजेक्ट के अपैक्स और सियान टॉवरों को अवैध ठहराया था। दोनों 40 मंजिला टावरों को ढहाने का आदेश दिया गया। कोर्ट ने कंपनी को फ्लैट खरीदारों को ब्याज के साथ पैसे वापस करने का आदेश दिया। जबकि इस मामले में सरकार और नोएडा ऑथरिटी सब कुछ जानते हुए भी हाथ पर हाथ धरे हुए बैठे रहे। नोएडा अथॉरिटी को भी इस ध्वस्तिकरण पर निगरानी करने और रिपोर्ट अदालत को देने का आदेश दिया गया है। इस आदेश के कुछ महीनों बाद बाद ट्विन टावर को ढहा दिया गया।

बुलडजोर एक्शन लेने वाली सरकार और प्रशासन को यह पहले से ही पता था कि ये टावर नियमों के विपरीत बनाए गए हैं। इसके बावजूद शासन-प्रशासन में बैठे जिम्मेदार आंखें मूंदे बैठे रहे। यहां बुलडोजर चलाने की किसी की हिम्मत नहीं हुई। इसकी उपेक्षा ऐसे ही नहीं की गई।

इसमें भारी भ्रष्टाचार की गंध चारों तरफ से आ रही थी, किन्तु अदालत के फैसले से पहले किसी ने इसकी परवाह नहीं की, वहीं कमजोर के मामले में बुलडोजर एक्शन लेने में फुर्ती दिखाई जाती है। देश में भूमाफिया और बिल्डर की शासन-प्रशासन से मिलीभगत के किस्से आम हैं।

देश के महानगर से लेकर छोटे शहरों में अतिक्रमणों की बाढ़ आई हुई है। ये अतिक्रमण एक दिन में नहीं हुए। अतिक्रमियों ने सार्वजनिक सुविधा के क्षेत्र तक नहीं छोड़े। देश में शायद ही ऐसी कोई सड़क या फुटपाथ होगा, जहां अतिक्रमण ने पांव नहीं पसारे। वन क्षेत्र हो या गोचर भूमि, यहां तक की तालाब, नदियों और झीलों के बहाव क्षेत्र भी अतिक्रमियों की भेट चढ़ गए, किन्तु शासन-प्रशासन की तंद्रा भंग नहीं हुई। ये तभी जागते हैं जब अदालतों का डंडा चलता है। इन अतिक्रमियों के निर्माण पर बुलडोजर चलाने से सब कतराते हैं। इसका उदाहरण जयपुर का रामगढ़ बांध है। कभी बरसाती जल से सरोबार रहने वाला यह प्रसिद्ध बांध अतिक्रमियों का शिकार हो गया। कभी जयपुर की लाइफ लाइन माने जाने वाला यह बांध कई दशकों से सूखा पड़ा है। देश में ऐसे सैकड़ों उदाहरण मौजूद हैं जहां अतिक्रमियों ने प्राकृतिक स्त्रोतों को ही निगल लिया। यहां तक खनन करके की पहाड़ के पहाड़ गायब कर दिए। अरावली की पहाड़ी श्रृंखला इसका भ्रष्टाचार और लापरवाही का सबसे बड़ा उदाहरण है। अतिक्रमण के मामले में वोट की राजनीति की बदौलत ही छोटे-बड़े शहरों में अवैध कच्ची-पक्की बस्तियां तक बस गई। ये अतिक्रमण सालों-साल चलते रहे हैं, किन्तु नेता-अफसरों के गठजोड़ के कारण इन्हें जड़ से खत्म नहीं किया जा सका। दरअसल बुलडोजर चलना तो ऐसे अतिक्रमणों पर चाहिए, जिसने देश के आम लोगों को पैदल चलना तक दुभर कर रखा है। इनके बजाए सिर्फ चुनिंदा अतिक्रमियों को अपराधी बता कर बुलडोजर चलवाना सरकारों की बदनियति को ही उजागर करता है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से सरकारों को सबक लेना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में यह कहीं नहीं कहा कि अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई नहीं हो, बल्कि वैधानिक प्रक्रिया अपनाने पर जोर दिया है।

– :सौजन्य :–
ईवी ड्राइव द फ्यूचर
EV
Drive the Future

टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने केरल में ईवी रिटेल उपस्थिति का किया विस्तार

परिवहन विशेष न्यूज

टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी (टीपीईएम) ने केरल में दो विशेष टाटा.ईवी रिटेल स्टोर का उद्घाटन किया है, जो राज्य में ईवी के बढ़ते चलन को दर्शाता है। कन्नूर और त्रिशूर में स्थित नई सुविधाएं अगस्त 2024 में राज्य में दो समान स्टोर लॉन्च करने के बाद हैं।

थोट्टाडा में स्थित कन्नूर स्टोर 5,200 वर्ग फीट में फैला है और यह दक्षिण भारत का पहला ईवी-एक्सक्लूसिव रिटेल और सर्विस सेंटर है। 10-बे सर्विस वर्कशॉप से सुसज्जित, यह सुविधा एक व्यापक ग्राहक अनुभव प्रदान करने पर केंद्रित है। त्रिशूर में, कुट्टानेल्लूर में नया रिटेल स्टोर रणनीतिक रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग 544 के पास स्थित है और इसमें 7,000 वर्ग फीट का शोरूम है। त्रिशूर स्टोर का निर्माण एक पुरानी सुविधा को फिर से तैयार करके और आधुनिक बनाकर किया गया है।

ईवी-एक्सक्लूसिव स्टोर स्थापित करने का टीपीईएम का कदम ईवी स्वामित्व अनुभव को बेहतर बनाने पर इसके रणनीतिक जोर को दर्शाता है, जिसमें बिक्री और सेवा सहायता की पेशकश की जाती है। ईवी के लिए एक प्रमुख बाजार के रूप में केरल की स्थिति टाटा.ईवी स्टोर्स की तेजी से स्थापना से और भी अधिक स्पष्ट हो जाती है।

हीरो मोटोकॉर्प एक साल के भीतर सर्ज एस32 ईवी का करेगी उत्पादन शुरू

परिवहन विशेष न्यूज

हीरो मोटोकॉर्पद्वारा निर्मित ऑल-इलेक्ट्रिक सर्ज 32 एक साल के भीतर सीरीज उत्पादन में प्रवेश करने के लिए तैयार है। यह अनूठा वाहन जो दोपहिया और तिपहिया वाहनों को जोड़ता है, अब नव निर्मित एल2/एल5 श्रेणी के तहत पंजीकृत किया जा सकता है। सूत्रों का कहना है कि हीरो मोटोकॉर्प को प्रति वर्ष 10,000 इकाइयों की मामूली क्षमता का अनुमान है और यह मॉडल 2025 के मध्य तक बाजार में लॉन्च के लिए तैयार हो सकता है।

इस महीने की शुरुआत में इटली के मिलान में आयोजित EICMA 2024 मोटरसाइकिल व्यापार मेले के दौरान हीरो मोटोकॉर्प के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्णकालिक निदेशक डॉ. पवन मुंजाल ने कहा ₹पहली बार दुनिया भर में और भारत में अब हमें इन वाहनों को सड़क पर लाने के लिए इनको पंजीकृत करने की सरकार से अनुमति मिल गई है। दोनों के पास अलग-अलग पंजीकरण प्लेट होंगी लेकिन एक बार जब स्कूटर तीन पहिया वाहन में चला जाता है, तो यह एक एकीकृत वाहन बन जाता है। इसलिए यह 'एकजुट होकर खड़े हैं' है। जब मैं अपने परिवार के साथ बाहर जाना चाहता हूं, तो हमें तीन पहिया वाहन की आवश्यकता होती है और जब मुझे डिलीवरी के लिए केवल दोपहिया वाहन की आवश्यकता होती है, तो मेरे पास इलेक्ट्रिक स्कूटर होता है।"

पंजीकरण के लिए इसे प्रमाणित करवाने के लिए सर्ज और हीरो मोटोकॉर्प को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के साथ मिलकर एस32 के लिए एक नई पंजीकरण श्रेणी बनानी पड़ी। इसे 'एल2-5' कहा जाता है, इसे ₹तीन पहियों वाले मोटर वाहन के 2-व्हीलर-3-व्हीलर कॉम्बी मॉड्यूल के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसे इस तरह से बनाया गया है कि श्रेणी एल2 के दो-पहिया वाहन को एक गैर-स्व-चालित रियर मॉड्यूल इकाई के साथ जोड़ा गया है। इसे आवश्यकतानुसार अलग या संयोजित किया जा सकता है"।

सर्ज 32 ईवी को जो बात विशिष्ट बनाती है, वह यह है कि इसे दोपहिया और तिपहिया वाहन के बीच शीघ्रता और सुविधाजनक रूप से रूपांतरित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

सर्ज 32 जो कि S32 नामक एक मॉड्यूलर EV प्लेटफॉर्म पर आधारित है को 'सर्ज' द्वारा तैयार किया गया है, जो कि हीरो मोटोकॉर्प के पूर्ण स्वामित्व वाला एक स्टार्टअप है (यह कंपनी के इनक्यूबेशन सेंटर HeroHatch का हिस्सा है) और इसने पिछले कुछ वर्षों में एक मॉड्यूलर ईवी प्लेटफॉर्म पर काम किया है जिसे यह एस32 कहता है, जो बात इसे विशिष्ट बनाती है। वह यह है कि इसे दोपहिया और तिपहिया वाहन के बीच शीघ्रता और सुविधाजनक रूप से रूपांतरित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। मूलत सर्ज 32 जिसके 40 पेटेंट हैं, में एक बिना आगे के पहिये वाला रिक्शा शामिल है, जिसमें एक ई-स्कूटर फिट हो जाता है और जो आगे के पहिये का भी काम करता है। इस रूप में ई-स्कूटर का पिछला पहिया ज़मीन से ऊपर होता है और रिक्शा प्लेटफॉर्म पर टिका होता है

ई-स्कूटर को अलग करके भी इस्तेमाल किया जा सकता है। रिक्शा और ई-स्कूटर दोनों में स्वतंत्र पावरट्रेन और बैटरी पैक हैं, लेकिन नियंत्रण एक ही हैं। जब स्कूटर रिक्शा सेक्शन से जुड़ता है, तो एक इलेक्ट्रॉनिक कनेक्टर भी होता है जिसे प्लग इन करना पड़ता है, जिसके बाद स्कूटर के हैंडलबार नियंत्रण रिक्शा पावरट्रेन और ब्रेक को भी नियंत्रित करते हैं।

भारत में संकल्पित और निर्मित सर्ज 32, तीन पहिया वाहनों की धारणा को पुनः परिभाषित करता है और हाल ही में इस वाहन ने उत्पाद डिजाइन में रेड डॉटः बेस्ट ऑफ द बेस्ट पुरस्कार जीता है, क्योंकि यह वाहन मात्र तीन मिनट में दोपहिया और तीन पहिया वाहन के बीच स्विच कर सकता है।

ईवी ट्रैक्टरों को बढ़ावा देना यूपी सरकार के एजेंडे में अगला कदम

परिवहन विशेष न्यूज

अब सभी की निगाहें इलेक्ट्रिक वाहन ट्रैक्टरों- ईवी ट्रैक्टरों पर हैं, क्योंकि खेती में ऊर्जा-कुशल तकनीकों को बढ़ावा देना राज्य सरकार का अगला एजेंडा है।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने ईवी ट्रैक्टरों की संभावनाओं का पता लगाने के लिए सीआईआई एग्रोटेक इंडिया - कृषि भारत 2024 में उद्योग विशेषज्ञों और इन्वेस्ट यूपी को एक साझा मंच पर एक साथ लाया।

विशेषज्ञों ने कहा कि राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था, उद्योगों को बढ़ावा देने पर इसका ध्यान और नई ईवी नीति राज्य में ईवी ट्रैक्टरों को पेश करने का एक शानदार अवसर प्रदान करती है।

उत्तर प्रदेश सरकार में कृषि निदेशक जितेंद्र कुमार तोमर ने पर्यावरण के अनुकूल खेती समाधानों में बदलाव को आसान बनाने में सरकारी प्रोत्साहन और सब्सिडी योजनाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों के बीच ईवी ट्रैक्टरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करने के महत्व पर जोर दिया।

इस अवसर पर उपस्थित इन्वेस्ट यूपी के ईवी पॉलिसी सेल के अतिरिक्त महाप्रबंधक अमित कुमार मिश्रा ने उपस्थित लोगों को

ईवी चार पहिया और दो पहिया वाहनों की विनिर्माण लागत को कम करने और कृषि सहित सभी क्षेत्रों में उनके उपयोग को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई नीतियों और प्रोत्साहनों के बारे में जानकारी दी। मिश्रा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इलेक्ट्रिक ट्रैक्टरों को न केवल पर्यावरण के अनुकूल बल्कि कृषि के भविष्य को फिर से परिभाषित करने के लिए अत्यधिक कुशल उपकरण के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

विशेषज्ञों ने इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर निर्माण और अपनाने के विकास के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने में राज्य सरकार की ईवी समर्थक नीतियों पर भी प्रकाश डाला। सरकारी प्रोत्साहनों का लाभ उठाकर और उत्पादन लागत को कम करके, राज्य ईवी ट्रैक्टर क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अच्छी स्थिति में है।

उत्तर प्रदेश की ईवी नीति राज्य में ईवी बाजार खोलने के लिए खरीदारों को सब्सिडी प्रदान करती है। इसमें राज्य में खरीदे और पंजीकृत सभी ईवी के लिए नीति अवधि के पहले तीन वर्षों के दौरान रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क पर 100 प्रतिशत छूट शामिल है।

राज्य में खरीदे पंजीकृत और निर्मित सभी इलेक्ट्रिक वाहनों पर चौथे और पांचवें वर्ष में भी इसी तरह की छूट लागू होगी।

लॉन्च से पहले होण्डा ने जारी किया एक्टिवा इलेक्ट्रिक का नया टीजर, मीटर से लेकर रेंज तक की मिली जानकारी

परिवहन विशेष न्यूज

जापानी वाहन निर्माता Honda की ओर से जल्द ही नए स्कूटर को भारतीय बाजार में लाने की तैयारी की जा रही है। नए स्कूटर को इलेक्ट्रिक सेगमेंट में लाया जाएगा। कंपनी के पहले इलेक्ट्रिक स्कूटर के लॉन्च (Honda Activa Electric) से पहले सोशल मीडिया पर नया टीजर (Activa teaser) जारी किया गया है। टीजर में किस तरह की जानकारी मिल रही है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। जापानी दो पहिया वाहन निर्माता Honda Motorcycle And Scooter India (HMSI) की ओर से कई सेगमेंट में बाइक्स और स्कूटर को ऑफर किया जाता है। कंपनी की ओर से जल्द ही इलेक्ट्रिक सेगमेंट में अपने पहले उत्पाद को लाने की तैयारी की जा रही है। लॉन्च से पहले होंडा ने इलेक्ट्रिक स्कूटर का नया टीजर जारी किया है। जारी हुए नए टीजर में क्या जानकारी मिल रही है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Honda Activa Electric का नया टीजर जारी

होंडा स्कूटर्स की ओर से जल्द ही EV सेगमेंट में अपने पहले उत्पाद के तौर पर Honda Activa Electric को लॉन्च (Honda EV launch) कर दिया जाएगा। लॉन्च से पहले कंपनी ने अपने स्कूटर का नया Teaser जारी कर दिया है। सोशल मीडिया पर जारी हुए टीजर में कई तरह की जानकारी को दिया गया है।

टीजर से मिली यह जानकारी

सोशल मीडिया पर होंडा के आधिकारिक अकाउंट पर कुछ सेकेंड का वीडियो टीजर (Activa Electric teaser) जारी किया गया है। जिसमें दो तरह के स्पीडोमीटर को दिखाया गया है। जिसको पूरी तरह से डिजिटल रखा गया है। इसके साथ ही इसमें स्कूटर की रेंज और राइडिंग मोड्स की जानकारी मिल रही है। खास बात यह है कि जारी किए गए नए टीजर में दूसरी स्क्रीन में एक मोटरसाइकिल की इमेज दिखाई दे रही है, जिसके बाद यह संभावना बढ़ रही है कि कंपनी की ओर से एक्टिवा के साथ ही इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल को भी लाया जा सकता है। टीजर में स्कूटर की रेंज की जानकारी भी दी गई है, जिसके मुताबिक फुल चार्ज के बाद इसे 104 किलोमीटर तक की रेंज के साथ लाया जा सकता है। इसके अलावा इसमें ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, राइडिंग के लिए स्टैंडर्ड और स्पोर्ट मोड को दिया जाएगा।

पहले मिली थी ये जानकारी

तीसरे टीजर से पहले कंपनी की ओर से दो और टीजर को जारी किया जा चुका है। जिनमें से पहले टीजर में एक्टिवा इलेक्ट्रिक स्कूटर की हेडलाइट और उसके नीचे की ओर Honda का लोगो भी दिखाई दे रहा है। इस तरह की लाइट को होंडा की ओर से Activa स्कूटर में दी जाती है। इसके बाद दूसरे टीजर में स्कूटर की मोटर, लाइट्स की जानकारी मिल रही थी।

Electric Scooter Launch Date

होंडा की ओर से पहले इलेक्ट्रिक स्कूटर के तौर पर Honda Activa Electric के पहले टीजर को जारी करने से पहले कंपनी की ओर से मीडिया इनवाइट भेजा गया था। जिसमें स्कूटर के लॉन्च को लेकर जानकारी दी गई थी। इसमें यह बताया गया था कि 27 नवंबर 2024 को नए वाहन को लॉन्च किया जाएगा।

साल 2023 में दिखाया था डिजाइन

होंडा की ओर से 29 मार्च 2023 को मानेसर में अपनी फैक्ट्री में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें कंपनी की ओर से इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में दो नए उत्पादों को लाने की जानकारी दी गई थी। इनमें से एक वाहन को फिक्स बैटरी के साथ और दूसरे को रिमूवेबल बैटरी के साथ लाने की जानकारी मिली थी। इसके बाद से ही उम्मीद की जा रही थी कि Honda Activa के Electric Version को भारत में फिक्स बैटरी के साथ लाया जा सकता है।

किनसे होगा मुकाबला

भारतीय बाजार में कई निर्माताओं की ओर से Electric Vehicle सेगमेंट में अपने दो पहिया वाहनों की बिक्री की जाती है। इनमें TVS iQube, Ola S1, Ather Rizta, 450 जैसे Electric Scooter शामिल हैं। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि अगर होंडा की ओर से Activa Electric Scooter को लॉन्च किया जाता है तो उसका सीधा मुकाबला TVS, OLA, Ather के इलेक्ट्रिक स्कूटर्स के साथ होगा।

ओडिसी इलेक्ट्रिक कंपनी देगी 40000 वाहन जिप इलेक्ट्रिक को

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय दोपहिया ईवी कंपनी ओडिसी इलेक्ट्रिक ने निवेश करते हुए सौदा हासिल किया है। इस निवेश सौदे के तहत कंपनी जिप इलेक्ट्रिक को 40000 इलेक्ट्रिक वाहन देगी। कंपनी ने अपने राष्ट्रीय विस्तार के तहत इस निवेश सौदे की योजना तैयार की है। कंपनी अगले 3 सालों में जिप इलेक्ट्रिक को चालीस हजार इलेक्ट्रिक वाहन देगी। कंपनी ने देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की संभावनाओं और तेजी से हो रहे विकास को देखते हुए यह निवेश सौदा किया है। देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को लेकर कई घोषणाएं की जा रही हैं। अलग-अलग ऑटो मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहनों पर फोकस कर रही हैं।

कंपनी की बी2बी पहुंच और डीलरशिप विस्तार नेटवर्क को बढ़ाने की उम्मीद में यह निवेश किया गया है। उत्पादन और वितरण क्षमताओं का विस्तार करके ओडिसी इलेक्ट्रिक का लक्ष्य लोगों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपने इलेक्ट्रिक वाहनों का उत्पादन बढ़ाना है।

कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नेमिन वोरा ने कहा कि ओडिसी इलेक्ट्रिक में नया निवेश एक महत्वपूर्ण क्षण है। जिप इलेक्ट्रिक की गहरी उद्योग विशेषज्ञता और बेड़े के विद्युतीकरण की दृष्टि हमारी राष्ट्रव्यापी विस्तार योजनाओं को काफी तेज करेगी, जो इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए मजबूत बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) और उपभोक्ता मांग को रेखांकित करती है।

जिप इलेक्ट्रिक के सह-संस्थापक और सीईओ आकाश गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि कंपनी को अगले 2-3 वर्षों में डीकार्बोनाइजेशन को बढ़ावा देने के लिए देश भर में 2 लाख ईवी तैनात करने की उम्मीद है। ओडिसी इलेक्ट्रिक में हमारा निवेश दर्शाता है कि हम कंपनी के विजन, उत्पाद की गुणवत्ता और विकास में कितना विश्वास करते हैं।

जनवरी से सितंबर 2024 के दौरान दुनियाभर में हुई 6.5 करोड़ कारों की बिक्री, भारत का रहा कैसा हाल

परिवहन विशेष न्यूज

भारत सहित दुनियाभर में हर महीने लाखों की संख्या में कारों की बिक्री की जाती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जनवरी से सितंबर 2024 के बीच नौ महीनों के दौरान कुल कितनी कारों की बिक्री (Global Car Sales 2024) की गई है। Top-3 में कौन कौन से देश शामिल हैं और इस लिस्ट में भारत (India Car Sales 2024) का स्थान कहां पर है।

नई दिल्ली। भारत सहित दुनियाभर में बड़ी संख्या में कारों की बिक्री की जाती है। हर महीने लाखों की संख्या में लोग कारें खरीदते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक साल 2024 के पहले नौ महीनों के दौरान दुनियाभर में कितनी कारों (Global Car Sales 2024) की बिक्री हुई है। Top-3 में कौन कौन से देश शामिल हुए हैं। भारत का नंबर (India Car Sales 2024) कहां आया है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

कितनी हुई बिक्री

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दुनियाभर में इस साल बड़ी संख्या में कारों की बिक्री हुई है। जानकारी के मुताबिक जनवरी से सितंबर 2024 के बीच कुल 6.5 करोड़ यूनिट्स कारों को खरीदा गया है। हालांकि ईयर ऑन ईयर बेसिस पर देखें तो यह बढ़ोतरी सिर्फ 0.3 फीसदी ज्यादा है। बीते साल भी इसी अवधि के दौरान करीब छह करोड़ से ज्यादा कारों की बिक्री हुई थी।

इस देश में रही सबसे ज्यादा मांग

रिपोर्ट्स के मुताबिक भले ही दुनियाभर में 6.5 करोड़ यूनिट्स कारों की बिक्री हुई है। लेकिन इसमें सबसे ज्यादा योगदान चीन का है। अकेले चीन में ही एक तिहाई कारों की बिक्री की गई है, जिस कारण इस लिस्ट में पहला नंबर चीन का है। जानकारी के मुताबिक जनवरी से सितंबर 2024 के बीच चीन में 2.14 करोड़ कारों की बिक्री हुई है। ईयर ऑन ईयर बेसिस पर यह संख्या 3.7 फीसदी ज्यादा है।

Top-3 में शामिल हुआ भारत

साल के पहले नौ महीनों में कारों की बिक्री के मामले में भारत ने भी Top-3 में अपनी जगह बनाई है। चीन के बाद दूसरे नंबर पर जापान रहा। जहां इसी अवधि के दौरान 57.12 लाख यूनिट्स की बिक्री हुई है। वहीं तीसरे नंबर पर भारत रहा। भारत में इस दौरान कुल 36.14 लाख यूनिट्स कारों की बिक्री की गई है। ईयर ऑन ईयर बेसिस पर भारत में 3.6 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वहीं दूसरे नंबर पर रहने वाले जापान में 8.7 फीसदी की गिरावट आई है।

भारत के बाद अमेरिका और जर्मनी का नंबर

Top-3 में भारत का नंबर रहा, लेकिन अमेरिका और जर्मनी जैसे देशों में कारों की बिक्री में कमी आई है। अमेरिका में साल के पहले नौ महीनों के दौरान 26.9 फीसदी कारों की बिक्री की गई है और पांचवें नंबर पर जर्मनी रहा है, जहां जनवरी से सितंबर के बीच 23.04 लाख कारों की बिक्री हुई है। आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में पिछले साल के मुकाबले इस साल 4.2 और जर्मनी में 0.4 फीसदी की कमी आई है।

किस कंपनी की कारों की रही सबसे ज्यादा मांग

जापान की वाहन निर्माता टोयोटा दुनिया के कई देशों में अपनी कारों को ऑफर करती है। कंपनी ने जनवरी से सितंबर के बीच 27.4 लाख कारों की बिक्री की है और लिस्ट में पहले नंबर को हासिल किया है। इसके बाद 21.8 लाख यूनिट्स के साथ Volkswagen का नंबर रहा। तीसरे नंबर पर साउथ कोरियाई वाहन निर्माता Hyundai रही जिसकी 17.8 लाख यूनिट्स की बिक्री हुई है। इसके बाद स्टेलैंटिस, जनरल मोटर्स, बीवाईडी, फोर्ड, होंडा, गिली और निसान का नंबर रहा है।

'अधखुली गिरह'

विजय गर्ग

मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि जीवन में कुछ ऐसा, कभी मेरे साथ भी घट सकता है। घट सकता है नहीं, घट चुका था। यह जो फूलों से सजे पलंग पर, दुल्हन का लाल जोड़ा पहने, सोलह सिंगार किये, बाल बिखराये, मुँह खोले बेसुध सी पड़ी लड़की सो रही है, उससे कल मेरी शादी हुई है और आज शाम ही मैं बाजे-गाजे के साथ उसे विदा करा कर बरेली से दिल्ली, अपने घर लाया हूँ। रात काफी हो चुकी है और भावनात्मक और मानसिक रूप से पूरी तरह से टूटा हुआ मैं, अभी थक-हार कर यहाँ, अपने कमरे के बाहर वाली एनेक्सी में आकर, सोफे पर ढह गया हूँ। मेरा दिमाग अभी भी कुछ देर पहले घटी घटना की जाँच-पड़ताल में लगा है।

माँ मेरे लिए सर्वोपरि थीं। पापा के बाद, मुझे और दीदी को उन्होंने अकेले ही पाला था। पापा की दोनों फैक्ट्रियों का काम अकेले सम्हालने में काफी मुश्किलों का सामना करते हुए देखा था हमने उन्हें। दीदी की शादी हो चुकी थी। बड़े होकर मैंने भी पढ़ाई पूरी कर, उनके साथ काम में हाथ बँटाना शुरू कर दिया था। मैं माँ के बहुत अधिक करीब था। किसी भी हाल में उनका दिल नहीं दुखा सकता था। वैसे तो मैं किसी का भी दिल नहीं दुःखा सकता था। गरीबों और दुखियारों के लिए भी अक्सर कुछ-न-कुछ करता ही रहता था।

दोस्त मुझे 'मामा'ज़ बॉय' कहकर चिढ़ाते थे। विवाह के लिए भी मैं तैयार नहीं होता था। आजकल की लड़कियाँ कैसी होती हैं इसका अंदाजा था मुझे। कहीं आने वाली लड़की ने मेरे परिवार को अपना न माना तो? मुझे लेकर अलग रहने की मांग की तो? न बाबा न, इन सब पचड़ों में पड़ना ही नहीं था मुझे। पर मेरी इस बेतुकी ज़दि को माँ और दीदी ने नहीं माना।

मेरे पीछे पड़-पड़ कर इन लोगों ने मेरी शर्त मानते हुए शादी के लिए हाँ कहलवा ली। मेरी एकमात्र शर्त यही थी कि लड़की बहुत अधिक आज़ाद ख्यालों वाली, मॉडर्न और फैशन की दीवानी न हो, बल्कि धीर-गंभीर व्यक्तित्व की स्वामिनी हो, जो मेरी माँ और परिवार को उचित आदर-सम्मान दे सके। मैंने माँ और दीदी पर ही सब कुछ छोड़ दिया था। अच्छी तरह से देखभाल कर, एक सुशील और घरेलू सी लड़की, जो माँ से भी बात तक करने में शर्मा रही थी, पसंद की गयी थी। माँ और दीदी पहले ही इस लड़की और इसके घरवालों से मिल चुकी थीं और अंदरूनी तौर पर पसंद भी कर चुकी थीं। बस एक बार, औपचारिकता पूरी करने के लिए ही, मैंने एक मॉल में लड़की, उसकी माँ और भाई-भाभी के साथ एक छोटी सी मुलाकात कर ली थी और शादी के लिए हामी भर दी थी।

मेरे घर वालों की तरह, लड़की वाले भी शादी जल्दी ही चाहते थे तो एक महीने के बाद ही, यानि कल हमारी शादी हुई थी और आज मैं अपनी दुल्हन को बाजे-गाजे के साथ, बरेली से विदा करा कर, अपने घर दिल्ली ले आया था। खूब रौनक और उत्साह का माहौल था घर में। मेरे दोस्त, रिश्ते की भाभियाँ, बहनें, यहाँ तक कि भाई लोग भी मुझे छेड़ने में लगे थे।

मैं तो खैर, कभी भी अधिक बोलने और हंसी मज़ाक करने वाला नहीं रहा था, पर मुझे इस लड़की की अच्छी बात यह लगी थी कि वह इस सब हंसी मज़ाक का हिस्सा नहीं बन रही थी। किसी को कुछ जवाब नहीं दे रही थी, बस, धीरे से सिर झुका कर, शालीनता से मुस्कुरा भर देती थी। तो इतनी तसल्ली तो मुझे हो ही गयी थी कि मेरी नयी नवेली पत्नी आजकल के चलन के मुताबिक चंचल नहीं है, सोबर नेचर की है, जैसी मैं चाहता था। कुल मिलाकर लड़की और उसकी फैमिली पसंद आयी थी मुझे।

विदा के समय, बरेली से वापस दिल्ली आने वाली, हम बारातियों की गाड़ियों के संग, एक गाड़ी उसके भाई-भाभी की भी थी। अपनी कार में वे बराबर मेरी कार के संग संग चलते रहे थे और रास्ते में भी उसे हाथ हिला-हिला कर हंसाते रहे थे। जहाँ दिव्यांशी, हाँ यही नाम था उसका, रोने-रोने को होती, उसके भैया-भाभी उसे हंसा देते और वह रिलैक्स हो जाती थी। दीदी और उसके सरदार पति यानि मेरे योगेंद्र जीजाजी और हम सब खुश थे कि कितना केयरिंग हैं इस परिवार में सब। घर यानि दिल्ली पहुँचते-पहुँचते सांझ होने को आयी थी। घर में हर तरफ शोर-शराबे और हँसी-मज़ाक के दौर चल रहे थे। माँ ने उन लोगों को भी खाना खाकर ही जाने के लिए रोक लिया था।

देव्यांशी के भैया-भाभी दोनों उसे उसे खूब देर तक पता नहीं क्या क्या समझाते रहे थे। मैं आते जाते देख रहा था कि वह भी सिर हिला-हिला कर सब समझ रही थी। खाना-पीना निपटते-निपटते दस बजने को आये थे, तब वे लोग उसे सुला कर वापस लौट गए थे।

उनके जाने के बाद मैं भी बाहर अपने दोस्तों के बीच पहुँच गया था। सब पूरी मस्ती के मूड में थे। काफी देर बाद दीदी ने आकर सब दोस्तों को जबरदस्ती उनके घरों को रवाना किया। कुछ रिश्तेदार, जो हमारे घर में ही ठहरे हुए थे, वे भी थकान के कारण अब तक अपने-अपने कमरों में सोने जा चुके थे। दीदी ने मुझे ठेला तो मैं भी शर्माता हुआ अपने कमरे में चला आया था।

कमरे में घुसते ही मैंने देखा, इस बीच मुझसे छुपा कर मेरा कमरा बड़ी सुंदरता से सजा दिया गया था। ऊपर से पलंग पर लटकती रजनीगंधा और गुलाबों की लम्बी-लम्बी की लड़ियों के बीच वह सो रही थी। मैंने भारी-भरकम शेरवानी उतारी और कुछ हलके कपड़े निकालने के लिए अपनी आलमारी खोली। मैं जान-बूझ कर थोड़ी अधिक ही खटर-पटर कर रहा था, जिससे पलंग पर सोइ यह शख़्स, जो अब तक मेरी पत्नी बन चुकी थी, जाग जाए। मुझसे बात करे और हम दोनों एक दूसरे को थोड़ा बहुत जानें तो सही।

जैसी मेरी तमन्ना थी, थोड़ी देर बाद ही पलंग पर कुछ हलचल हुई और फिर वह उठ कर बैठ गयी। उसने अपने आसपास चारों तरफ निगाहें दौड़ायीं जैसे किसी को ढूंढ रही हो। मैं आलमारी का खुला पल्ला पकड़े पीछे मुड़कर चुपचाप उसकी ओर देख रहा था। मैंने पहले से ही सोच रखा था कि अपने कई दोस्तों की तरह, मैं पति नाम का हिटलर बन कर नहीं रहूँगा। बल्कि अपनी पत्नी को समानता का दर्ज़ा दूँगा और बहुत प्यार करूँगा। जब उसकी आँखें मेरी आँखों से टकरायीं, तब मैं आँखों ही आँखों में, उसे ढांढस बंधाते हुए मुस्कुराया ताकि उसे लगे कि वह किसी अजनबी के साथ नहीं, वरन अपने घर में, किसी अपने के ही साथ है। पर उसने बड़ी व्याकुलता से पूछा ₹भैया कहाँ हैं?₹

₹वे लोग तो चले गए₹ मैंने प्यार भरे स्वर में ही दुलराते हुए जवाब दिया।

मेरा इतना कहना भर था कि वह बिजली की तेज़ी से बिस्तर से नीचे उतरी और चीखती हुई दरवाज़े की तरफ भागी, ₹भैया, भैया, कहाँ हो?₹, जल्दी आओ₹। इस पूर्ण रूप से अनअपेक्षित और अचानक हुए क्रिया-कलाप के चलते मैं अवाक सा आलमारी का अधखुला पल्ला पकड़े वहीं खड़ा रह गया था और वह दरवाज़े की चिटखनी खोल, बला की फुर्ती से बाहर जा चुकी थी।

कुछ पलों बाद मुझे सुध आयी, तो मैं भी तेज़ी से कमरे से बाहर की तरफ दौड़ा। हमारे बड़े से दोमंजिले घर का अभी उसे कुछ अंदाजा नहीं था, वह उतावली से 'भैया', 'भाभी', 'मम्मी' पुकारती हुई इधर-उधर उन्हें ढूंढने की कोशिश कर रही थी। कॉरिडोर में एक अजीब सा दृश्य था। नख-शिख सोलह श्रृंगार किये, बालों में गजरा सजाये, लाल जोड़ा पहने, एक दुल्हन, उन्मादिनी सी इधर से उधर भाग रही थी। पीछे उसका लम्बा आँचल धरा को बुहारता चल रहा था। वह तेज़ी से सीढ़ियाँ उतरने ही वाली थी की मैंने दौड़ कर उसे पीछे से पकड़ लिया। मुझे डर था कि कहीं नीचे के कमरों में ठहरे हुए रिश्तेदार इस नाटक के शोर से जागकर बाहर न आ जाएं। उसे अकेले सम्हालने में मुझे काफी मशक्कत करनी पड़ रही थी। मैंने बाएं हाथ से उसका मुँह दबोच लिया जिससे वह चीख न पाए और दायें हाथ से उसका दाहिना हाथ पकड़ मैं उसे थोड़ा धकेलते हुए अपने कमरे की तरफ लाने लगा। तब तक दीदी अपने कमरे से बाहर आ गयी। वहां का दृश्य देख पहले तो वह भी भौचक सी खड़ी रह गयी। फिर जाने वह कितना समझी, कितना नहीं, पर उसने भी प्यार से पुचकार-पचकार कर इस अजूबा लड़की को अंदर लाने में मेरी मदद की।

अंदर कमरे में बैठा कर दीदी ने उसे पानी दिया, जो उसने नहीं पिया। दीदी उसे बहुत प्यार से समझाती रही कि यह उसी का घर है और यहाँ उसे डरने की कोई ज़रुरत नहीं। फिर भी वह बहुत डरी हुई दिख रही थी। बिना आवाज़ के सिसकियाँ ले-लेकर रो रही थी। डरे हुए तो हम दोनों भी बुरी तरह थे। आज के ज़माने में इतनी ज़्यादा घबराने वाली दुल्हन की तो हमने कल्पना भी नहीं की थी। उसे प्यार से तसल्ली देकर कि कोई बात नहीं है, मैं अभी तुम्हारे भैया को बुला कर लाता हूँ, मैं दीदी के पास उसे छोड़ कर माँ के कमरे में आ गया। माँ को जगा कर मैंने उन्हें पूरी बात बतायी। वह बुरी तरह से हड़बड़ा गयीं। जब तक मैं माँ को साथ लेकर वापस अपने कमरे में वापस पहुंचा तो पता चला वह लड़की कमरे से गायब थी और दीदी उसे ढूंढ रही थी। दीदी का बेटा सनी उठ कर, रोते हुए, उसे ढूंढता हुआ वहाँ आ गया था, तो वह, बस दो मिनट के लिए उसे वापस योगेंद्र जीजाजी के पास छोड़ने गयीं थीं। वापस आईं तो यह लड़की कमरे से गायब थी।

अब यह एक नयी समस्या उठ खड़ी हुई थी। उस सात कमरों वाले दोमज़लि घर में, जहाँ नीचे के सभी कमरों में मेहमान ठहरे हुए हैं, नयी-नवेली दुल्हन को कहाँ-कहाँ जाकर ढूंढें? तभी ऊपर कॉरिडोर से हमने नीचे देखा कि घर का मुख्य द्वार खुला हुआ है। पास ही टूटा हुआ गजरा भी पड़ा था। हम समझ गए कि वह घर से बाहर जा चुकी है। बिना एक भी पल गँवाये, हम नीचे भागे। दीदी ने स्कूटी निकाली, मैंने दौड़ कर अंदर से कार की चाभी लेकर आया और हम दोनों विपरीत दिशाओं में चल दिए। थोड़ी दूर जाकर ही मुझे वह सड़क पर बदहवास सी भागते हुए दिखी। शायद बिना कुछ सोचे समझे वह बस भागी जा रही थी, क्योंकि बरेली तो दूसरी दिशा में था। सड़क पर हलकी आवाजाही अभी भी थी। लोग उसे देखते हुए जा रहे थे। किनारे पर कुछ ऑटो और रिक्शे वाले भी खड़े थे। जो तमाशा सा देख रहे थे। अगर मैं इस समय यहाँ न पहुंचा होता तो? सोच कर ही मेरा जी काँप गया।

मैंने एक तरह से जबरन उसे गाड़ी में ठूँस कर चाइल्ड लॉक लगाया। दीदी को फोन कर बताया और उसे पकड़ कर सीधा ऊपर अपने कमरे में पहुँच गया। गनीमत थी कि रास्ते में किसी रिश्तेदार से टक्कर नहीं हुई, वरना पता नहीं मैं क्या कहानी बनाता। कमरे में पहुँच कर मैंने उसे पलंग के सिरहाने पर तकिये लगाकर बैठा दिया। रो तो वह अब भी रही थी, पर चीख नहीं रही थी। उसकी हालत देखकर, अब तक हमें उसकी दिमागी हालत के बारे में शक़ होने लगा था। हाँलाँकि उस पर मुझे तरस भी आ रहा था। पर तरस तो मुझे स्वयं पर और अपने घरवालों पर भी बहुत आ रहा था जिनके सामने यह भयानक सच्चाई मुँह खोले खड़ी थी। जाने हमें कितनी जगहंसाई झेलनी पड़ेगी। कितनी बातें, कितने ताने सुनने होंगे। धीरे-धीरे लड़की वालों की सारी योजना, चालाकी से उठाया हुआ उनका एक-एक क़दम, सब कुछ हमें समझ आ रहा था।

इस बीच माँ और दीदी उसे सम्हालने में लगी थीं। दीदी ने उसे पानी का गिलास पकड़ाया तो वह उसने ज़ोर से हाथ मार कर फ़ेंक दिया। 'झनाssssssssक' की आवाज़ के साथ, फर्श पर दूर तक पानी और कांच के टुकड़े बिखर गए थे। माँ और दीदी के चेहरों पर क्रोध साफ़ झलक रहा था। उनके चेहरों की भाव-भंगिमाएं देख, वह और अधिक खीझ रही थी। वह स्वयं भी अस्त व्यस्त सी हो रही थी। बिस्तर पर बैठी कभी तकिया पटकती, कभी दाँत पीसती। बिस्तर पर यहाँ-वहाँ उसकी चूड़ियां, बिछिये, गज़रे बिखरे पड़े थे।

कहाँ तो एक ओर मैंने आज के लिए क्या-क्या स्वप्न संजोये थे और कहाँ यह मुसीबत गले पड़ गयी थी। हमारे क्रोध की सीमा नहीं थी। मैंने उसके भैया को फ़ोन लगाया कि आप लोग वापस आ जाइये। यहाँ इसे अचानक पता नहीं क्या हो गया है। उधर से जवाब आया, ₹वापस तो नहीं आ पाएंगे, हम घर पहुँचने ही वाले हैं। अब कल दोपहर तक ही पहुँच पाएंगे वहाँ₹। फिर बोले, ₹दिव्यांशी के पर्स के बाहर वाली पॉकेट में जो दवा रखी है, वह किसी तरह उसे खिला दें। कुछ देर में ही वह ठीक हो जायेगी। घबराने की बात नहीं है₹।

इसके बाद थोड़ा ठहर कर मृगांक भैया ने जो कहा, उसने मेरे होश उड़ा दिए। उन्होंने कहा, ₹अब जैसी भी है, वह आपकी पत्नी है। उसे इस तरह के दौरे पड़ते हैं कभी-कभी। आप लोग नए हैं उसके लिए, इसलिए दौरा पड़ गया होगा। धीरे-धीरे ठीक हो जायेगी। आप परेशान न हों₹। मेरा क्रोध फट पड़ने को हो आया, ₹परेशान न होऊँ? किस मुँह से आप यह कह रहे हैं? आप लोगों ने अपनी ₹, तभी मेरी नज़र उस पर पड़ी। तत्क्षण बिना कुछ सोचे-समझे मेरी उँगलियों ने फोन काट दिया। क्योंकि इतने गुस्से में होने के कारण उस समय मेरे मुँह से जो शब्द निकलने वाले थे, वह बहुत अप्रिय होते और उनका सबसे अधिक असर मेरे सामने बैठी इस लड़की पर होता, जो रोना भूल कर, मुँह खोले, विस्फारित नेत्रों से मेरी ओर ताक रही थी। शायद वह वस्तुस्थिति को समझने की कोशिश कर रही थी। उस समय अपने अंदर मचे हुए तूफ़ान के बावजूद मुझे ऐसा लगा, जैसे वह एक छोटी सी बच्ची हो जिसे यह भी समझ नहीं है कि उसकी ग़लती क्या है।

उसके घर वालों से बात करके इतना तो मुझे समझ आ ही गया था कि अब जो भी करना है, हमें ही करना है, हमें मतलब, मुझे। मैंने इशारे से दीदी और माँ को वहां से हटने को कहा। थोड़ी आनाकानी के बाद वे लोग बाहर चली गयीं। फर्श पर बिखरे पानी और कांच के टुकड़ों से बचता और अपने अंदर के तूफ़ान को किसी तरह दबाता हुआ मैं धीरे से उसके पास पहुंचा और सहानुभूति से उसके सिर पर फेरने लगा। उसके कंधे और उसका हाथ थपकता रहा। शायद इस समय तक वह काफी थक चुकी थी, इसीलिये उस पर काबू पाया जा सका। मैंने उसे बच्चों की तरह बहला-फुसला कर दवा खिला दी। थोड़ी देर में वह बैठे-बैठे मेरे ही कंधे पर सिर टिका कर सो गयी। मैं धीरे से उसे बिस्तर पर चादर ओढ़ा कर लिटा दिया और कमरे से बाहर आ गया। और अब, मैंने अपने कमरे के बाहर ही, एनेक्सी में रखे सोफे पर आकर ढह गया हूँ। मेरा दिमाग अभी भी कुछ देर पहले घटी घटना की जाँच-पड़ताल में लगा है।

थोड़ी देर में माँ भी आकर मेरे पास ही सोफे पर बैठ गयीं तो मैं अपने विचारों की दुनिया से बाहर आ गया। चुपचाप मेरे कमरे की सफाई कर दीदी, और सनी को सुलाकर योगेंद्र जीजाजी भी वहीं आ गए।

हमारे दिमाग़ों में ढेर सारी उथल-पुथल मची हुई थी। मृगांक भैया और रंजीता भाभी के फोन उसके बाद से बराबर स्विचड ऑफ आ रहे थे। कोई लड़की इस तरह से ससुराल से कैसे भाग सकती है। अगर शादी से नाख़ुश थी तो पहले ही मना कर सकती थी। यह कैसे दौरे पड़ते हैं इसे। हमें कुछ नहीं पता था कि हमारे साथ हुआ क्या था। अगर किसी रिश्तेदार को हमसे पहले इसके बारे में कुछ पता चल गया तो? कहीं लड़की वालों ने हमारे साथ ------? आदि आदि। सवालों की लाइनें लगी थीं, पर जवाब हम चारों के ही पास नहीं थे।

कल शाम को हम रिसेप्शन देने वाले थे। जिसमे शहर के कई प्रतिष्ठित लोग आने वाले थे। सबसे बड़ी टेंशन इस समय यही थी कि रिसेप्शन बिना किसी तमाशे के निपट जाए और दुल्हन की मानसिक ग्रंथि के विषय में किसी दूसरे के पहले हमें पता चले कि असलियत है क्या। सच्चाई क्या है। अगर रिसेप्शन के दौरान इसे फिर से दौरा पड़ गया या किसी रिश्तेदार को ज़रा भी शक़ हो गया तो हमें कितनी शर्मिंदगी उठानी पड़ेगी। वैसे भी हमसे जलने वालों की कमी नहीं थी और इस केस में तो अभी हम खुद ही बिलकुल ब्लैंक थे।

इस समय हमारे पास इसके अलावा कोई चारा नहीं था कि रिसेप्शन के बाद, रात या अगले दिन सुबह तक, जब तक सभी मेहमान वापस न चले जाएँ, हम - साम, दाम, दंड, भेद - किसी भी तरह इस लड़की को सम्हाले रहें।

एनेक्सी में बैठे-बैठे हम देर रात तक अटकलें लगाते रहे। सुबह होने वाली थी। हम सब कुछ देर सोने के लिए आ गए। उस लड़की की वजह से, मुझे अपने कमरे में सोने जाते भी डर लग रहा था। तो मैं कमरे की बाहर से कुण्डी लगा कर, वहीं एनेक्सी में सोफे पर ही सो गया।

दूसरे दिन सुबह जब दीदी तैयार होकर इधर आ गयीं, तो मैं माँ के कमरे में जाकर सो गया था और काफी देर तक सोता रहा था। जब मैं उठा तो घर का माहौल काफी खुशगवार था। सजी-धजी घूंघट काढ़े उस लड़की को दीदी और उसकी भाभी, मुँहदिखाई के लिए रिश्तेदार औरतों से मिलाने नीचे ले जा रही थीं। मैंने चौंक कर इशारे से मना भी किया तो उसकी भाभी ने मुस्कुरा कर इशारों से ही मुझे तसल्ली दी कि कुछ नहीं होगा आप मत घबराइए। फिर भी जिज्ञासावश, मैं भी उन लोगों के पीछे-पीछे नीचे ड्राइंग रूम में आकर बैठ गया था। मन में डर था कि कहीं यहाँ मेरी ज़रुरत न पड़ जाए। रिश्तेदार औरतें उन लोगों को घेरे बैठी थीं, दिव्यांशी को छेड़ रही थीं। मैंने देखा उनकी हंसी-ठिठोली की बातों पर यह लड़की सिर्फ सिर झुका कर मुस्कुरा भर देती थी। लोगों की बातों के जवाब देने का काम तो उसकी भाभी और मेरी दीदी ही सम्हाल रही थीं। औरतें नयी दुल्हन के भोलेपन पर बलिहारी हुई जा रही थीं। जल्दी ही उसे वहां से उठा लिया गया। दीदी और उसकी भाभी उसे लेकर रिसेप्शन के लिए तैयार होने ब्यूटी पार्लर चली गयीं। उन लोगों को वहां से सीधे वेन्यू पर ही पहुंचना था। वह चली गयी तो मैंने राहत की सांस ली। मैं खुश था कि आज सुबह से हम दोनों का आमना-सामना नहीं हुआ था।

शाम हो चुकी थी। फंक्शन के लिए तैयार होकर, इंतज़ाम वगैरह देखने के लिए मैं और योगेंद्र जीजाजी काफी पहले से ही वेन्यू पर पहुँच चुके थे। डेकोरेटर्स ने सजावट बिलकुल वैसी ही की थी, जैसी हमने पसंद की थी। एंट्री-गेट के काफी आगे से ही से ही गुलाबी और नीली बिजली की लड़ियाँ ऐसी आभा प्रस्तुत कर रही थीं मानों आप इंद्रलोक में प्रवेश करने जा रहे हों। पूरे घुमावदार पैसेज में दोनों तरफ घने पेड़ों के झुरमुट में रंगीन बल्ब और नीचे ज़मीन पर पानी, फूलों और दीयों से भरे भव्य कलश सजे थे। साथ में गहरे मनभावन रंगो से भरवां रंगोली भी रची हुई थी।

मैं सारा इंतज़ाम देखता हुआ बाहर आ ही रहा था कि तभी पैसेज में वह गाड़ी आकर रुकी जो दीदी, रंजीता भाभी और उस लड़की को ब्यूटी पार्लर से लाने गयी थी। दीदी, रंजीता भाभी गाड़ी से उतरीं फिर दोनों ने मिलकर उसे उतारा। नयी दुल्हन के श्रृंगार का सारा ताम-झाम सहेजने के बाद, कार से उतर कर, अपना आँचल सम्हालते हुए वह सीधी खड़ी हुई तो, सामने उसे मैं खड़ा दिख गया।

महंगाई लक्ष्य के अनुरूप रखना जरूरी

गणित सिर्फ स्कूल में एक महत्वपूर्ण विषय नहीं है - यह आपके कई दैनिक कार्यों के लिए आवश्यक है। आप संभवतः किराने की खरीदारी, खाना पकाने और अपने वित्त पर नज़र रखने जैसे वास्तविक जीवन कौशल करने के लिए हर दिन इसका उपयोग करते हैं। जो बात गणित को विशेष बनाती है वह यह है कि यह एक सार्वभौमिक भाषा है - दुनिया भर में समान अर्थ वाला एक शक्तिशाली उपकरण। हालाँकि भाषाएँ हमारी दुनिया को विभाजित करती हैं, संख्याएँ हमें एकजुट करती हैं। गणित हमें नए नवाचारों और विचारों की दिशा में मिलकर काम करने की अनुमति देता है। गणित बच्चों और वयस्कों के लिए क्यों महत्वपूर्ण है? साथ ही, पता लगाएं कि सबसे बुनियादी गणित सीखने से भी आपके परिवार के जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है। जीवन में गणित इतना महत्वपूर्ण क्यों है? एक व्यक्ति को खाना पकाने और पकाने के लिए गणित, माप और अंशों की समझ की आवश्यकता होती है। कई लोग अपने आहार या व्यायाम दिनचर्या के हिस्से के रूप में कैलोरी या पोषक तत्वों की गणना करने के लिए गणित का उपयोग भी कर सकते हैं। आपको यह गणना करने के लिए भी गणित की आवश्यकता है कि आपको समय पर पहुंचने के लिए अपना घर कब छोड़ना चाहिए, या आपको अपने शयनकक्ष की दीवारों को फिर से बनाने के लिए कितने पेंट की आवश्यकता है। और फिर सबसे बड़ा, पैसा। वयस्कों के लिए वित्तीय साक्षरता एक अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण कौशल है। यह आपको बजट बनाने, बचत करने और यहां तक कि करियर बदलने या घर खरीदने जैसे बड़े निर्णय लेने में भी मदद कर सकता है। गणितीय ज्ञान कई अन्य गैर-स्पष्ट लाभों से भी जुड़ा हो सकता है। गणित में एक मजबूत आधार आपकी भावनाओं की बेहतर समझ और नियमन, बेहतर याददाश्त और बेहतर समस्या-समाधान कौशल में तब्दील हो सकता है। गणित का महत्वः एक महान गणित शिक्षा के 9 लाभ गणित ग्रेड स्कूल, मिडिल स्कूल और हाई स्कूल से परे अधिक अवसर प्रदान करता है। वास्तविक जीवन के परिदृश्यों में इसके अनुप्रयोग बहुत व्यापक हैं। हालाँकि कई छात्र गणित की कक्षा में बैठते हैं और सोचते हैं कि वे जो चीजें सीख रहे हैं उनका उपयोग कब करेंगे, हम जानते हैं कि वयस्कता में कई बार उनके गणित कौशल की आवश्यकता होगी। आपके बच्चे की सफलता में गणित के महत्व को कम करके आंका नहीं जा सकता। बुनियादी गणित एक आवश्यकता है, लेकिन अमूर्त गणित भी महत्वपूर्ण सोच कौशल को निखारने में मदद कर सकता है - भले ही आपका बच्चा एसटीईएम-शैली का करियर नहीं चुनना चाहता हो। गणित उन्हें पेशेवर, भावनात्मक और संज्ञानात्मक रूप से सफल होने में मदद कर सकता है। उसकी वजह यहाँ है। 1. गणित स्वस्थ मस्तिष्क क्रिया को बढ़ावा देता है ₹इसे उपयोग करें या भूल जाएँ।₹ हम कई कौशलों के बारे में ऐसा कहते हुए सुनते हैं, और गणित कोई अपवाद नहीं है। गणित की समस्याओं को हल करने और अपने गणित कौशल में सुधार करने से हमारे मस्तिष्क को अच्छी कसरत मिलती है। और यह समय के साथ हमारे संज्ञानात्मक कौशल में सुधार करता है। कई अध्ययनों से पता चला है कि नियमित रूप से गणित का अभ्यास करने से हमारा मस्तिष्क स्वस्थ रहता है और अच्छी तरह काम करता है। 2. गणित समस्या-समाधान कौशल में सुधार करता है सबसे पहले, जॉनी द्वारा 42 तरबूज़ घर लाना और उनमें से 13 लौटा देना जैसी क्लासिक गणित की समस्याएं एक मूर्खतापूर्ण अभ्यास लग सकती हैं। लेकिन वे सभी गणित की शब्द समस्याएं जिन्हें हमारे बच्चे हल करते हैं, वास्तव में उनकी समस्या सुलझाने के कौशल में सुधार करती हैं। शब्द समस्याएं बच्चों को सिखाती हैं कि महत्वपूर्ण जानकारी कैसे निकाली जाए और फिर समाधान खोजने के लिए उसमें हेरफेर कैसे किया जाए। बाद में, जटिल जीवन की समस्याएं कार्यपुस्तिकाओं का स्थान ले लेती हैं,

लेकिन समस्या-समाधान अभी भी उसी तरह होता है। जब छात्र एल्गोरिदम और समस्याओं को अधिक गहराई से समझते हैं, तो वे तथ्यों को डिकोड कर सकते हैं और समस्या को अधिक आसानी से हल कर सकते हैं। वास्तविक जीवन के समाधान गणित और तर्क से पाए जाते हैं। 3. गणित तार्किक तर्क और विश्लेषणात्मक सोच का समर्थन करता है गणित अवधारणाओं की मजबूत समझ का अर्थ केवल संख्या बोध से कहीं अधिक है। यह हमें समाधान के रास्ते देखने में मदद करता है। समीकरणों और शब्द समस्याओं को हल करने की सर्वोत्तम विधि निर्धारित करने से पहले उनकी जांच की जानी चाहिए। और मेंकई मामलों में, सही उत्तर पाने का एक से अधिक तरीका होता है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि गणित कौशल के साथ-साथ तार्किक तर्क और विश्लेषणात्मक सोच में भी सुधार होता है। गणितीय शिक्षा के सभी स्तरों पर तर्क कौशल आवश्यक है। 4. गणित लचीली सोच और रचनात्मकता विकसित करता है यह दिखाया गया है कि गणित का अभ्यास करने से खोजी कौशल, संसाधनशीलता और रचनात्मकता में सुधार होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि गणित की समस्याओं के लिए अक्सर हमें अपनी सोच को मोड़ने और समस्याओं को एक से अधिक तरीकों से देखने की आवश्यकता होती है। हो सकता है कि हमारे द्वारा आज़माई गई पहली प्रक्रिया काम न करे. समाधान के नए रास्तों के बारे में सोचने के लिए हमें लचीलेपन और रचनात्मकता की आवश्यकता है। और किसी भी अन्य चीज़ की तरह, सोचने का यह तरीका अभ्यास से मजबूत होता है। 5. गणित करियर के कई अलग-अलग रास्ते खोलता है ऐसे कई करियर हैं जो बड़ी संख्या में गणित अवधारणाओं का उपयोग करते हैं। इनमें आर्किटेक्ट, अकाउंटेंट और वैज्ञानिक शामिल हैं। लेकिन कई अन्य पेशेवर अपना काम पूरा करने के लिए हर दिन गणित कौशल का उपयोग करते हैं। सीईओ वित्तीय विश्लेषण के लिए गणित का उपयोग करते हैं। मेलमैन इसका उपयोग यह गणना करने के लिए करते हैं कि उन्हें अपने नए मार्ग पर चलने में कितना समय लगेगा। ग्राफ़िक डिज़ाइनर अपने डिज़ाइन में उचित पैमाने और अनुपात का पता लगाने के लिए गणित का उपयोग करते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका बच्चा कौन सा करियर पथ चुनता है, गणित कौशल फायदेमंद होगा। आज के बच्चों के लिए गणित कौशल और भी महत्वपूर्ण हो सकते हैं! गणित निश्चित रूप से हममें से कई लोगों के लिए बहुत सारे अवसर खोल सकता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जिस करियर में गणित का अत्यधिक उपयोग होता है, वह आज के बच्चों के करियर शुरू करने के समय सबसे तेजी से बढ़ने वाली नौकरियों में से एक होगा? यह सिर्फ एसटीईएम नौकरियां नहीं हैं जिनके लिए गणित की आवश्यकता होगी। नर्सिंग और शिक्षण जैसे अन्य लोकप्रिय, उच्च विकास वाले करियर के लिए अब कॉलेज स्तर के गणित का न्यूनतम ज्ञान आवश्यक है। 6. गणित भावनात्मक स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकता है हालाँकि यह शोध अभी भी अपने प्रारंभिक चरण में है, हमने जो देखा है वह आशाजनक है। गणित की समस्याओं को हल करने के लिए उपयोग किए जाने वाले मस्तिष्क के हिस्से मस्तिष्क के उन हिस्सों के साथ मिलकर काम करते हैं जो भावनाओं को नियंत्रित करते हैं। इससे पता चलता है कि गणित का अभ्यास वास्तव में हमें कठिन परिस्थितियों से निपटने में मदद कर सकता है। इन अध्ययनों में, जो व्यक्ति संख्यात्मक गणना में जितना बेहतर था, वह भय और क्रोध को नियंत्रित करने में उतना ही बेहतर था। मजबूत गणित कौशल चिंता और अवसाद के इलाज में भी मदद कर सकते हैं। 7. गणित वित्तीय साक्षरता में सुधार करता है हालाँकि बच्चे अभी अपने वित्त का प्रबंधन नहीं कर रहे हैं, लेकिन कई बार ऐसा होगा जब गणित कौशल एक वयस्क के रूप में उनके जीवन में बड़े पैमाने पर बदलाव लाएगा। बजट बनाना और बचत करना बहुत बड़ी बात है। वे अपने खर्च में कहां कटौती कर सकते हैं? बजट बनाने से उन्हें अपने वित्तीय लक्ष्य तक पहुंचने में कैसे मदद मिलेगी? क्या वे अब इस नई खरीदारी का खर्च उठा सकते हैं? जैसे-जैसे उनकी उम्र वयस्क होने लगेगी, आपके बच्चे को घर या कार खरीदने से पहले यह समझने में लाभ होगा कि ऋण और ब्याज कैसे काम करते हैं। उन्हें शेयर बाजार में निवेश करने से पहले लाभ और हानि को पूरी तरह समझ लेना चाहिए। और संभवतः उन्हें अपनी पहली नौकरी चुनने से पहले नौकरी के वेतन और लाभों का मूल्यांकन करने की आवश्यकता होगी। बच्चा मां के साथ गुल्लक में पैसे डाल रहा है। 8. गणित आपकी याददाश्त को तेज़ करता है मानसिक गणित सीखना प्राथमिक विद्यालय में शुरू होता है। छात्र जोड़ सारणी, फिर घटाव, गुणा और भाग सारणी सीखते हैं। जैसे-जैसे वे उन कौशलों में निपुण हो जाते हैं, वे अधिक युक्तियाँ और तरकीबें याद करना शुरू कर देंगे, जैसे 10 से गुणा करते समय अंत में एक शून्य जोड़ना। छात्र अपनी पूरी शिक्षा के दौरान एल्गोरिदम और प्रक्रियाओं को याद रखेंगे। 9. गणित दृढ़ता सिखाता है 'मैं यह कर सकता हूँ!' ये शब्द अक्सर हमारे बच्चों से सुने जाते हैं। यह वाक्यांश विकास का सूचक और गर्व का विषय है। बूजैसे-जैसे आपका बच्चा प्राथमिक विद्यालय में प्रवेश करता है, हो सकता है कि आप इन शब्दों को पहले की तरह बार-बार या उतने आत्मविश्वास के साथ न सुनें। यहां कुछ सबसे आम गणित संघर्ष हैं। बढ़ती जटिलता कभी-कभी कक्षा की गति आपके बच्चे की गति से थोड़ी तेज़ हो जाती है। या अवधारणाएँ इतनी अमूर्त और कठिन हैं कि उन्हें अपने दिमाग में एक पाठ में समेटना मुश्किल हो जाता है। कुछ गणित विचारों को सीखने में अधिक समय लगता है। गलत शिक्षण शैली उच्च गुणवत्ता वाली गणित शिक्षा के लिए भरपूर अभ्यास के साथ एक अच्छी शिक्षण शैली आवश्यक है। यदि शिक्षक की शैली आपके बच्चे के सीखने के तरीके से मेल नहीं खाती है, तो गणित की कक्षा चुनौतीपूर्ण हो सकती है। विफलता का भय वयस्क होने पर भी, हमें असफल होने का डर महसूस हो सकता है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि हमारे बच्चे भी इसी डर का अनुभव करते हैं, खासकर स्कूल द्वारा लाये जा सकने वाले कई अन्य दबावों के साथ। अभ्यास का अभाव कभी-कभी, आपके बच्चे को बस थोड़े अधिक अभ्यास की आवश्यकता होती है। लेकिन यह कहना जितना आसान है, करना उतना आसान नहीं है। आप उन्हें भरपूर समर्थन और प्रोत्साहन देकर मदद कर सकते हैं ताकि उन्हें अभ्यास का समय मिल सके। गणित की चिंता एल्गोरिदम और जटिल समस्याएं किसी भी बच्चे (और कई वयस्कों) के दिल में चिंता पैदा कर सकती हैं। गणित की चिंता एक सामान्य घटना है। लेकिन सही मुकाबला रणनीतियों के साथ इसे प्रबंधित किया जा सकता है। प्रोडिजी मैथ के साथ सफलता के लिए अपने बच्चे के गणित कौशल को तैयार करें अब हमें पता चल गया है कि गणित हमारे रोजमर्रा और जीवन दोनों के फैसलों में कितना महत्वपूर्ण है, आइए अगली पीढ़ी को सही उपकरणों के साथ सफलता के लिए तैयार करें जो उन्हें गणित सीखने में मदद करेंगे। प्रोडिजी मैथ एक गेम-आधारित, ऑनलाइन शिक्षण मंच है जो बच्चों के लिए गणित सीखने को मजेदार बनाता है। जैसे-जैसे बच्चे खेलते हैं और मज़ेदार पात्रों और पालतू जानवरों से भरी एक सुरक्षित, आभासी दुनिया का पता लगाते हैं, वे गणित के सवालों का जवाब देंगे। ये प्रश्न पाठ्यक्रम-संरेखित हैं और एक अनुकूली एल्गोरिदम द्वारा संचालित हैं जो उन्हें गणित कौशल में अधिक तेज़ी से महारत हासिल करने में मदद कर सकता है।

आईफ़ोन बनाने वाली फ़ॉक्सकॉन ने जॉब के लिए बदले नियम, पहले शादीशुदा महिलाओं को नहीं दे रही थी नौकरी

परिवहन विशेष न्यूज

आइफोन की मैन्युफैक्चरिंग करने वाली फॉक्सकॉन ने भारत में अपनी असेंबली लाइन में कर्मचारियों की भर्ती करने के नियमों में बदलाव किया है। दरअसल समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने जून में एक रिपोर्ट छापी थी जिसमें दावा किया गया था कि कंपनी शादीशुदा महिलाओं को काम पर नहीं रखती है और उसके वेंडर्स नौकरी के विज्ञापन में भी इस का जिक्र करते हैं। इस पर फॉक्सकॉन की काफी किरकिरी हुई थी।

नई दिल्ली। अमेरिकी टेक दिग्गज एपल के सप्लायर फॉक्सकॉन (Foxconn) ने भारत में iPhone असेंबली कर्मचारियों की भर्ती करने वाले रिक्रूटर्स को कई नए निर्देश दिए हैं। इसके मुताबिक, नौकरी के इश्तिहार में उम्र, लिंग और वैवाहिक मानदंड के साथ मैन्युफैक्चरर का नाम हटाने का आदेश दिया है।

वैश्विक समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने 25 जून को एक रिपोर्ट छापी थी, जिसमें पाया गया था कि फॉक्सकॉन ने अपने भारत वाले iPhone असेंबली प्लांट में विवाहित महिलाओं को नौकरियों से बाहर रखा। हालांकि, इसने ज्यादा प्रोडक्शन वाली अवधि के दौरान इस नियम में ढील दी और शादीशुदा महिलाओं को भी काम पर रखा।

क्या है नौकरी विज्ञापन का पूरा मामला

चेन्नई के पास श्रीपेरंबदूर में iPhone फैक्ट्री में फॉक्सकॉन हजारों महिलाओं को रोजगार देती है। इस असेंबली-लाइन में कंपनी श्रमिकों की भर्ती के लिए थर्ड पार्टी वेंडर्स को आउटसोर्स करती है। ये एजेंट उम्मीदवारों की तलाश करते हैं और उनकी स्क्रीनिंग करते हैं। आखिर में फॉक्सकॉन उनका इंटरव्यू और सेलेक्शन करती है।

जून की कहानी के लिए रॉयटर्स ने जनवरी 2023 और मई 2024 के बीच फॉक्सकॉन के इंडियन हायरिंग वेंडर के पोस्ट के किए नौकरी विज्ञापनों की समीक्षा की। इसमें कहा गया था कि सिर्फ खास आयु की अविवाहित महिलाएं ही स्मार्टफोन असेंबली में जॉब रोल के लिए पात्र हैं, जो Apple और Foxconn की भेदभाव-विरोधी नीतियों का उल्लंघन है।

इस रिपोर्ट के छपने के बाद फॉक्सकॉन की काफी किरकिरी हुई। इसके बाद फॉक्सकॉन एचआर अधिकारियों ने कई भारतीय वेंडर्स को नौकरी के विज्ञापन बदलने के लिए कहा। उन्हें चेतावनी दी गई कि आगे किसी के किसी भी इश्तिहार में वे फॉक्सकॉन के नाम का इस्तेमाल न करें, नहीं तो उनके कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिए जाएंगे। उन्होंने वेंडर्स को मीडिया से बात न करने के लिए भी कहा।

अब वैवाहिक स्थिति का जिक्र नहीं

रॉयटर्स ने कुछ नए विज्ञापनों की समीक्षा की। लेकिन, इनमें आयु, लिंग या वैवाहिक मानदंडों का कोई जिक्र नहीं था। इसमें सिर्फ फायदे गिनाए गए थे, जैसे कि रवातानुकूलित कार्यस्थल, निःशुल्क परिवहन, कैंटीन सुविधा, निःशुल्क होस्टल और 14,974 रुपये का मासिक वेतन। इ एक वेंडर ग्रोवमैन ग्लोबल ने मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग जॉब के लिए 18 से 32 साल की अविवाहित महिलाओं के लिए 2023 में विज्ञापन दिया था। लेकिन, पिछले महीने के इश्तिहार में ऐसी कोई शर्त नहीं थी।

अमेरिका और चीन के बीच तनाव के चलते एपल चीन के विकल्प के तौर पर भारत में मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियां बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार फॉक्सकॉन की आईफोन फैक्ट्री और भारत में एपल की व्यापक आपूर्ति श्रृंखला को देश को आर्थिक मूल्य श्रृंखला में आगे बढ़ाने में मदद करने के रूप में देखती है। रॉयटर्स की जून वाली रिपोर्ट के बाद मोदी सरकार और तमिलनाडु सरकार ने फॉक्सकॉन प्लांट में हायरिंग प्रैक्टिस की जांच के आदेश दिए था।

श्रम अधिकारियों ने जुलाई में सुविधा का दौरा किया और कंपनी के अधिकारियों से पूछताछ की। हालांकि, केंद्र या फिर राज्य सरकार ने जांच के निष्कर्षों को सार्वजनिक नहीं किया।

कितने समय में म्यूचुअल फंड्स में पैसे होंगे डबल

म्यूचुअल फंड निवेश के सबसे लोकप्रिय माध्यमों में से एक है। म्यूचुअल फंड कई तरह के होते हैं लेकिन ज्यादातर निवेशक इक्विटी और डेट MF को पसंद करते हैं। कई निवेशकों के मन में ये सवाल आता है कि म्यूचुअल फंड में निवेश की शुरुआत कैसे करें उनके लिए कौन-सा प्लेटफॉर्म सही है किस म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए? आइए इन सभी सवालों का जवाब जानते हैं।

नई दिल्ली। सीरीज के पिछले एपिसोड में हमने जाना कि अगर आप बाजार को लगातार ट्रैक नहीं कर सकते हैं तो म्यूचुअल फंड आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प है। क्योंकि आपके निवेश को एक फंड मैनेजर, मैनेज करता है। हालांकि कई निवेशकों के मन में ये सवाल आता है कि म्यूचुअल फंड में निवेश की शुरुआत कैसे करें, उनके लिए कौन-सा प्लेटफॉर्म सही है, किस म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए? इस सीरीज के दूसरे एपिसोड में हमने इन्हीं सवालों के जवाब जानने कि कोशिश की। इन सभी मुद्दों पर हमसे बातचीत की Avdhesh Garg, Founder & CEO, Confidence Investment ने।

Mutual Fund कितने प्रकार के होते हैं? इस सवाल के जवाब में Avdhesh Garg ने बताया कि म्यूचुअल फंड मुख्य रुप से दो तरीके के होते हैं। एक Equity Mutual Fund और दूसरा Debt Mutual Fund। इन दोनों में अलग-अलग तरह के जोखिम जुड़े होते हैं। और दोनों अलग-अलग तरह से काम करते हैं। अगर आप इसके बारे में पूरी जानकारी लेना चाहते हैं तो इस वीडियो को यहां पूरा देख सकते हैं।

कितना होता है जोखिम?

Equity Mutual Fund में आपके सारे पैसे शेयर बाजार में लगाए जाते हैं। जिसमें बाजार के उतार-चढ़ाव का रिस्क होता है। जबकि Debt Mutual Fund में आपके पैसे उधार में लगाए जाते हैं जिसमें Interest Rate का रिस्क होता है। Debt Mutual Fund में ब्याज दरें बढ़ने से आपका रिटर्न कम होने का खतरा होता है जबकि ब्याज दरें कम होने से रिटर्न बढ़ने की उम्मीद होती है।

क्या होता है Rule No 72?

इस रुल के जरिए आप ये जान सकते हैं कि आपके पैसे कितने सालों में दोगुने होंगे। इसके लिए आपको जितना भी रिटर्न मिल रहा है उसे 72 से भाग कर दें। गर्ग ने एक उदाहरण के जरिए बताया कि "जैसे मान लीजिए आपको एक साल में 12% का रिटर्न मिल रहा है तो आप 12/72 करेंगे यानी कि 6 सालों में पैसे डबल। इसके साथ ही ध्यान रखें कि जितना ज्यादा Compound Annual Growth Rate यानी CAGR होगा उतनी जल्दी आपका पैसा डबल होगा।"

शेयर मार्केट में मंदी का दौर, लेकिन लॉन्ग टर्म इन्वेस्टर्स के लिए क्यों नहीं है डरने की बात?

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय शेयर बाजार अभी सुस्ती के दौर से गुजर रहा है। इससे निवेशक काफी नेगेटिव हो रहे हैं। लेकिन एक्सपर्ट का मानना है कि यह निराश होने का नहीं बल्कि निवेश के लिए अच्छे मौके तलाशने का वक्त है। इस तरह की गिरावट 4 से 5 साल में एक बार ही आती है और इसमें लॉन्ग टर्म इन्वेस्टर्स को अच्छे शेयरों को सस्ते में खरीदने का मौका मिल सकता है।

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिनों से भारतीय शेयर मार्केट में गिरावट का दौर चल रहा है। दोनों प्रमुख सूचकांक यानी सेंसेक्स और निफ्टी अपने ऑल टाइम हाई लेवल से करीब 10 फीसदी गिर चुके हैं। इस करेक्शन की कई वजहें हैं। फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स (FIIs) लगातार बिकवाली कर रहे हैं। ज्यादातर कंपनियों के तिमाही नतीजे काफी आ रहे हैं। वैश्विक अस्थिरता भी बढ़ी है।

शेयर मार्केट में हालिया गिरावट से निवेशकों का भरोसा भी डगमगाया है। लेकिन, एक्सपर्ट का मानना है कि लॉन्ग टर्म इन्वेस्टर्स के लिए डरने की कोई बात नहीं है। बस कोई नया दांव लगाने से पहले मार्केट में स्थिरता आने का इंतजार करना चाहिए। आइए जानते हैं कि भारतीय शेयर मार्केट में गिरावट की क्या वजह है और निवेशकों को फिलहाल क्या करना चाहिए।

क्या भारतीय अर्थव्यवस्था खराब कर रही है?

भारतीय अर्थव्यवस्था में कोरोनाकाल की मंदी के बाद जोरदार तेजी देखने को मिली। पिछले कुछ तिमाहियों को भी देखें, तो जीडीपी ग्रोथ 7 से 8 फीसदी के बीच रही है। ऐसे में एक्सपर्ट का मानना है कि इस तरह की तेजी के बाद स्लोडाउन आना आम बात है। भारतीय अर्थव्यवस्था साइक्लिकल स्लोडाउन से निकल रही है। इसमें स्ट्रक्चरल स्लोडाउन जैसी बात नहीं है। खपत धीरे-धीरे पटरी पर आ जाएगी और इकोनॉमी फिर से बढ़ने लगेगी।

निवेशकों को इन्वेस्टमेंट का मौका कब मिलेगा?

एक्सपर्ट का मानना है कि साइक्लिकल स्लोडाउन हर 4-5 साल में आते हैं। इस दौरान इकोनॉमी थोड़ी सुस्त पड़ती है और शेयर बाजार में गिरावट भी आती है। इससे लॉन्ग टर्म इन्वेस्टर्स को निवेश का अच्छा मौका मिल जाता है। कंपनियों के वित्तीय नतीजे और खपत में जैसे ही सुधार होगा, FII का पैसा फिर से बाजार में आने लगेगा, तो मार्केट दोबारा उड़ान भरने लगेगा। ऐसे में निवेशकों को चाहिए कि वे अगले पांच साल के लिए मौका तलाश करें। उन्हें मौजूदा गिरावट से डरना नहीं चाहिए।

निवेशकों को अभी क्या करना चाहिए?

निवेशकों को अभी बहुत ज्यादा नेगेटिव होने से बचना चाहिए। हालांकि, उन्हें बहुत ज्यादा उत्साहित भी नहीं होना चाहिए। निवेशक उन चुनिंदा कंपनियों पर फोकस कर सकते हैं, जिन्होंने आर्थिक सुस्ती के बावजूद काफी दमदार तिमाही नतीजे दिए हैं। एक्सपर्ट का मानना है कि अभी नियर टर्म में मार्केट में गिरावट की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन गिरावट के जोखिम से ज्यादा संभावना मार्केट के ऊपर जाने की है।

इस जानकारी को छिपाने पर लगेगा 10 लाख रुपये का जुर्माना, आयकर विभाग ने किया आगाह

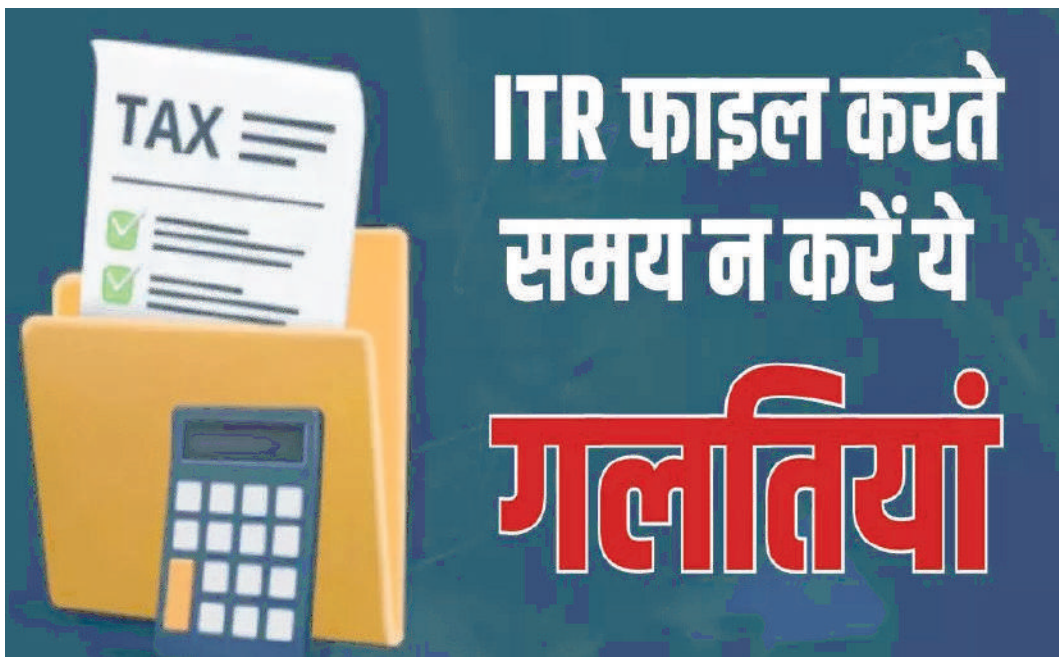

परिवहन विशेष न्यूज

कई बार करदाता जाने या फिर अनजाने में आईटीआर फाइल करते वक्त कुछ जानकारियों को गैर-जरूरी मानकर छिपा लेते हैं। इनमें विदेश में संपत्ति जैसी डिटेल भी होती है। लेकिन इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने स्पष्ट किया है कि अगर कोई करदाता विदेश में स्थिति संपत्ति या अर्जित आय की जानकारी नहीं देता तो उस पर भारी जुर्माना लगाया जा सकता है।

नई दिल्ली। इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) फाइल करते समय सभी जानकारियां ठीक-ठीक देनी चाहिए। लेकिन, कई बार करदाता कुछ जानकारियों को गैर-जरूरी मानकर जाने-अनजाने में छिपा लेते हैं। ऐसा करना काफी महंगा पड़ सकता है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट इसके लिए करदाताओं पर भारी-भरकम जुर्माना भी लगा सकता है।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने टैक्सपेयर्स को आगाह किया है कि आईटीआर में विदेश में स्थित संपत्ति या विदेश में अर्जित आय की जानकारी नहीं देने पर काला धन विरोधी कानून के तहत 10 लाख रुपये का जुर्माना लग सकता है। डिपार्टमेंट ने एक सार्वजनिक परामर्श भी जारी किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि करदाता असेसमेंट ईयर 2024-25 के लिए अपने आईटीआर में ऐसी जानकारी दर्ज करें।

किस तरह की कमाई की देनी होगी जानकारी

परामर्श में स्पष्ट किया गया है कि भारत के निवासी के लिए विदेशी परिसंपत्ति में बैंक खाते, नकद मूल्य बीमा अनुबंध या वार्षिकी अनुबंध, किसी इकाई या व्यवसाय में वित्तीय हित, अचल संपत्ति, अभिरक्षक खाता, इक्विटी और ऋण हित, ट्रस्ट जिसमें व्यक्ति ट्रस्टी है, सेटलर का लाभार्थी, हस्ताक्षर प्राधिकारी वाले खाते, विदेश में रखी गई कोई पूंजीगत परिसंपत्ति आदि शामिल हैं।

विभाग ने कहा कि इस मानदंड के अंतर्गत आने वाले करदाताओं को अपने आईटीआर में फॉरेन असेट (एफए) या विदेशी स्त्रोत से आय (एफएसआई) अनुसूची को अनिवार्य रूप से भरना होगा, भले ही उनकी आय कर योग्य सीमा से कम हो या विदेश में संपत्ति प्रकट स्त्रोतों से अर्जित की गई हो।

करदाताओं को मेल भेजेगा आयकर विभाग

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के लिए प्रशासनिक निकाय-केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा था कि अभियान के तहत वह उन करदाताओं को सूचनात्मक एसएमएस और ईमेल भेजेगा, जिन्होंने पहले ही आकलन वर्ष 2024-25 के लिए अपना आईटीआर दाखिल कर दिया है। इससे उन्हें अपनी गलती को सुधारने का मौका मिल सकेगा और वे नियमों के मुताबिक जरूरी जानकारी दे सकेंगे।

यह एसएमएस और ईमेल ऐसे व्यक्तियों को भेजा जाएगा, जिनकी द्विपक्षीय और बहुपक्षीय समझौतों के तहत प्राप्त जानकारी के माध्यम से पहचान की गई है, जिसमें सुझाव दिया गया है कि ये व्यक्ति विदेशी खाते या संपत्ति रख सकते हैं या विदेशी क्षेत्राधिकार से आय प्राप्त कर चुके हैं। देर से एवं संशोधित आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है।

आईजीएल, एमजीएल और अदाणी टोटल गैस के शेयरों में बड़ी गिरावट, क्या अब बढ़ेंगे सीएनजी के दाम?

GAIL ने इंद्रप्रस्थ गैस महानगर गैस और अदाणी टोटल गैस के आवंटन में क्रमश 20 18 और 13 फीसदी की कटौती की है। इससे इन तीनों कंपनियों के मुनाफे पर बुरा असर पड़ने की आशंका है। दोपहर करीब 12 बजे तक इंद्रप्रस्थ गैस 18 महानगर गैस 14 और अदाणी टोटल गैस में 2 फीसदी की गिरावट आई थी। इससे ब्रोकरेज फर्में CNG के दाम में बढ़ोतरी होने का अनुमान है।

नई दिल्ली। सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (IGL), महानगर गैस लिमिटेड (MGL) और अदाणी टोटल गैस (Adani Total Gas Ltd.) के शेयरों में आज यानी सोमवार (18 नवंबर) को भारी गिरावट गिरावट देखने को मिल रही है। IGL और MGL शुरुआती कारोबार में 15 फीसदी तक फिसल गए थे। वहीं, अदाणी टोटल गैस में करीब 4 फीसदी की गिरावट देखने को मिली।

IGL और MGL में गिरावट की वजह

GAIL (इंडिया) ने एलान किया कि उसने सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के लिए गैस आवंटन में 13 से 20 फीसदी की कटौती कर दी है। इससे IGL और MGL के साथ अदाणी टोटल गैस जैसी कंपनियों के मार्जिन पर बुरा असर पड़ने की आशंका है। सिटी गैस कंपनियों को उनकी CNG सेल्स वॉल्यूम जरूरतों के लिए 6.5 डॉलर/mmbtu (मिलियन मीट्रिक ब्रिटिश थर्मल यूनिट) के फिक्स्ड प्राइस पर घरेलू गैस का आवंटन होता है। अगर घरेलू गैस का आवंटन घटेगा, तो इसका सीधा असर उनके मुनाफे पर पड़ेगा।

गैस आवंटन में कितनी कटौती हुई?

GAIL ने इंद्रप्रस्थ गैस, महानगर गैस और अदाणी टोटल गैस के आवंटन में क्रमशः 20, 18 और 13 फीसदी की कटौती की है। इससे पहले अक्टूबर 2024 में ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ONGC) ने भी आवंटन में 16-20 फीसदी की रेंज में कटौती की थी। हालिया कटौती के बाद सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (CGD) कंपनियों को APM आवंटन अब करीब 30-35 फीसदी है। ब्रोकरेज फर्म जेफरीज का मानना है कि 2025 के मध्य तक सिटी गैस कंपनियों का घरेलू गैस आवंटन जीरो हो जाएगा।

कटौती का क्या होगा असर?

ONGC ने अपनी पहली कटौती का ऐलान किया था, तो एमके रिसर्च ने अनुमान लगाया था कि इंद्रप्रस्थ गैस और महानगर गैस के मार्जिन पर 1.4-1.5 रुपये/scm का नेगेटिव असर पड़ेगा। अब यह बढ़कर 2.7-3 रुपये/scm हो गया है। ब्रोकरेज जेफरीज के मुताबिक, अगले वित्त वर्ष यानी 2026-27 में इंद्रप्रस्थ गैस, महानगर गैस और गुजरात गैस के प्रति यूनिट EBITDA मार्जिन में 2.5 रुपये, 1.5 रुपये और 1 रुपये प्रति/scm की बड़ी गिरावट आ सकती है।

CNG कीमतों में बढ़ोतरी का अनुमान

IIFL सिक्योरिटीज, एमके रिसर्च और जेफरीज का कहना है कि गैस कंपनियों को अपना मार्जिन बनाए रखने के लिए CNG का दाम बढ़ाना पड़ेगा। जेफरीज के मुताबिक, CNG की रिटेल कीमतों में 10 फीसदी बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं, सिस्टेमैटिक्स का अनुमान 6-8 रुपये प्रति किलो और एमके रिसर्च 6.3-6.4 रुपये प्रति किलो बढ़ने का अनुमान है। हालांकि, ब्रोकरेज का मानना है कि महाराष्ट्र और दिल्ली जैसे अहम राज्यों में विधानसभा चुनाव के चलते कीमतों में जल्द बढ़ोतरी नहीं होगी। इससे निकट अवधि में कंपनियों के लिए मार्जिन पर दबाव पड़ सकता है।

युवा शक्ति के प्रतीक एवं प्रेरणा-स्रोत आईपीएस मनुमुक्त 'मानव', जिन्हें एक दशक बाद भी भुला पाना संभव नहीं

मनुमुक्त के पिता डॉ. रामनिवास 'मानव' भरे मन से बताते हैं कि अधिकारियों की आपराधिक लापरवाही और मनुमुक्त की मृत्यु के षड्यंत्र में शामिल उनके बैचमेट अफसरों की संलिप्तता के दस्तावेजी सबूतों के बावजूद, उनके विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं हुई, बल्कि तेलंगाना पुलिस और सीबीआई ने इसे सामान्य घटना बताकर मामले को रफा-दफा कर दिया। तेलंगाना पुलिस और सीबीआई का पूरा प्रयास दोषियों को बचाने का था, दोषियों को सजा दिलाने का नहीं। यही नहीं, मनुमुक्त को ट्रेनी बताकर सभी सरकारों ने पल्ला झाड़ लिया, किसी ने एक रुपये की भी आर्थिक सहायता परिवार को प्रदान नहीं की।

-प्रियंका सौरभ

नियति का यह कैसा दुखद विधान है कि विशिष्ट प्रतिभाओं को यहाँ अत्यल्प जीवन ही मिलता है। आदि शंकराचार्य से लेकर स्वामी विवेकानंद, स्वामी रामतीर्थ, श्रीनिवास रामानुजन, भारतेंदु हरिश्चंद्र और रांगेय राघव तक, एक लंबी सूची है ऐसे महापुरुषों की, जो अपनी चमक बिखेरकर अल्पायु में ही इस दुनिया से विदा हो गए। भारतीय पुलिस सेवा के युवा अधिकारी मनुमुक्त 'मानव' भी एक ऐसे ही प्रतिभा-पुंज थे, जिन्हें काल ने असमय ही अपना ग्रास बना लिया।

28 अगस्त, 2014 को बहुमुखी प्रतिभा के धनी, अत्यंत होनहार और प्रभावशाली पुलिस अधिकारी मनुमुक्त की 30 वर्ष, 9 माह की अल्पायु में नेशनल पुलिस अकेडमी, हैदराबाद (तेलंगाना) के स्विमिंग पूल में डूबने से, संदिग्ध परिस्थितियों में, मृत्यु हो गई थी। स्विमिंग पूल के पास ही स्थित ऑफिसर्स क्लब में चल रही विदाई पार्टी के बाद, आधी रात को जब मनुमुक्त का शव स्विमिंग पूल में मिला, तो अकेडमी में ही नहीं, पूरे देश में हड़कंप मच गया, क्योंकि यह अकेडमी के 66 वर्ष के इतिहास में घटित होने वाली पहली इतनी बड़ी दुर्घटना थी। यहीं यह बताना भी आवश्यक है कि इतनी मर्मांतक और दुर्भाग्यपूर्ण त्रासदी के बाद भी इस मामले की न तो ठीक-से जांच हुई और न ही किसी अधिकारी या कर्मचारी की जिम्मेदारी तय कर, उसके विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही की गई। मनुमुक्त के पिता डॉ. रामनिवास 'मानव' भरे मन से बताते हैं कि अधिकारियों की आपराधिक लापरवाही और मनुमुक्त की मृत्यु के षड्यंत्र में शामिल उनके बैचमेट अफसरों की संलिप्तता के दस्तावेजी सबूतों के बावजूद, उनके विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं हुई, बल्कि तेलंगाना पुलिस और सीबीआई ने इसे सामान्य घटना बताकर मामले को रफा-दफा कर दिया। तेलंगाना पुलिस और सीबीआई का पूरा प्रयास दोषियों को बचाने का था, दोषियों को सजा दिलाने का नहीं। यही नहीं, मनुमुक्त को ट्रेनी बताकर सभी सरकारों ने पल्ला झाड़ लिया, किसी ने एक रुपये की भी आर्थिक सहायता परिवार को प्रदान नहीं की।

उल्लेखनीय है कि मनुमुक्त 2012 बैच और हिमाचल प्रदेश काडर के परम मेधावी और ऊर्जावान पुलिस अधिकारी थे। 23 नवंबर, 1983 को हिसार (हरियाणा) में जन्मे तथा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से उच्च शिक्षा प्राप्त मनुमुक्त ने 'सी' सर्टिफिकेट सहित एनसीसी की सभी सर्वोच्च उपलब्धियाँ प्राप्त की थीं। वह बहुत अच्छे चिंतक होने के साथ-साथ बहुमुखी कलाकार और सफल फोटोग्राफर भी थे; सेल्फी के तो मास्टर ही थे। उनकी समाज-सेवा में भी बड़ी रुचि थी। वह अपने दादा-दादी की स्मृति में अपने पैतृक गाँव में स्वास्थ्य-केंद्र तथा नारनौल में सिविल सर्विस एकेडमी स्थापित करना चाहते थे। देश और समाज के लिए उनके और भी बहुत सारे सपने थे, जो उनकी असामयिक मृत्यु के साथ ही ध्वस्त हो गए।

इकलौते जवान आईपीएस बेटे की मृत्यु मनुमुक्त के पिता, वरिष्ठ साहित्यकार और शिक्षाविद् डॉ. रामनिवास 'मानव' तथा माता अर्थशास्त्र की पूर्व प्राध्यापिका डॉ. कांता भारती के लिए भयानक वज्रपात से कम नहीं थी। कोई अन्य दम्पत्ति होता, तो शायद टूटकर बिखर जाता, लेकिन 'मानव' दम्पत्ति ने अद्भुत धैर्य और साहस का परिचय देते हुए, न केवल इस अकल्पनीय-असहनीय पीड़ा को झेला, बल्कि अपने

बेटे की स्मृतियों को सहेजने और सजीव बनाए रखने के लिए भरसक प्रयास भी प्रारंभ कर दिए। उन्होंने अपनी संपूर्ण जमापूंजी लगाकर 10 अक्टूबर, 2014 को मनुमुक्त 'मानव' मेमोरियल ट्रस्ट का गठन किया और नारनौल में 'मनुमुक्त भवन' का निर्माण कर उसमें वातानुकूलित लघु सभागार, संग्रहालय और पुस्तकालय की स्थापना की। ट्रस्ट द्वारा अढाई लाख का एक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार, एक लाख का एक राष्ट्रीय पुरस्कार, 21-21 हज़ार के दो तथा 11-11 हज़ार के तीन राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार और सौ मनुमुक्त 'मानव' स्मृति-सम्मान प्रारंभ किए। दोनों बड़े पुरस्कार फिलहाल स्थगित हैं, किंतु शेष सभी पुरस्कार-सम्मान प्रतिवर्ष, नियमित रूप से, प्रदान किए जा रहे हैं। 'मनुमुक्त भवन' में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम भी निरंतर चलते रहते हैं, जिनमें अब तक भारत के अतिरिक्त जापान, फीजी, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, थाईलैंड, सिंगापुर, इंडोनेशिया, नेपाल, श्रीलंका, ब्रिटेन, नीदरलैंड, जर्मनी, फ्रांस, नॉर्वे, तुर्की, रूस, मॉरिशस, कोस्टारिका, अमेरिका, कनाडा आदि दो दर्जन देशों की लगभग पांच सौ विशिष्ट विभूतियाँ सहभागिता कर चुकी हैं। ट्रस्ट द्वारा ऑन लाइन आयोजित कार्यक्रमों में तो 55-60 देशों के विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख साहित्यकार, पत्रकार, फ़िल्मिकार, शिक्षाविद्, समाजसेवी, पर्यावरणविद्, खिलाड़ी, पर्वतारोही, प्रशासनिक अधिकारी और राजनेता जुड़ चुके हैं तथा यह सिलसिला अब भी जारी है। मात्र सात वर्ष की अल्पावधि में ही, अपनी उपलब्धियों के कारण, नारनौल का 'मनुमुक्त भवन' अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र के रूप में प्रतिष्ठित हो चुका है। ट्रस्ट द्वारा 15 अगस्त, 2021 में, भारत की स्वतंत्रता के अमृत-महोत्सव के अवसर पर आयोजित 'वर्चुअल अंतरराष्ट्रीय कवि-सम्मेलन' को, विश्व के सर्वाधिक देशों के सबसे बड़े कवि-सम्मेलन के रूप में 'गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में दर्ज किया जा चुका है। छह महाद्वीपों और इक्यावन देशों के पिचहतर कवियों ने इस कवि-सम्मेलन में एक साथ काव्य-पाठ कर यह विश्व-रिकॉर्ड बनाया था।

मनुमुक्त 'मानव' युवा शक्ति के प्रतीक ही नहीं, प्रेरणा-स्रोत भी थे। देहांत के एक दशक बाद भी उन्हें बड़े सम्मान के साथ स्मरण किया जाता है। परिवार ने मीडिया, सोशल मीडिया और फ़ेसबुक के माध्यम से उनकी प्रेरक स्मृतियों को जीवित रखा हुआ है। इसके लिए मनुमुक्त की बड़ी बहन और विश्वबैंक, वाशिंगटन डीसी (अमरीका) की वरिष्ठ अर्थशास्त्री डॉ. एस अनुकृति का भी भरपूर सहयोग रहता है। अंत में मनुमुक्त की बैचमेट, भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी और संप्रति धमतरी (छत्तीसगढ़) की जिलाधिकारी नम्रता गांधी के शब्दों में इतना ही कहा जा सकता है, ₹मनुमुक्त हमारे लिए बड़े भाई, मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक थे। उनके व्यक्तित्व में उत्तम हास्य का समावेश था, वहीं उनका दिल भी विशुद्ध सोने का बना था। उनके अंतर्मन में बड़ी गहराई थी, जिसका बाहर से अनुमान लगाना कठिन था। वह शानदार प्रशासक, स्वाभाविक नेता, श्रेष्ठ टीम-खिलाड़ी, सम्मानित वरिष्ठ, विश्वसनीय कनिष्ठ और सबके चहेते साथी तथा सहयोगी थे। हममें से किसी के लिए भी उन्हें भुला पाना संभव नहीं है।"

जंतर मंतर पर अखिल भारतीय यदुवंशी महासभा ने मनाया यादव शौर्य दिवस

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर मंतर पर अखिल भारतीय यदुवंशी महासभा के द्वारा यादव शौर्य दिवस मनाया गया। इस मौके पर अखिल भारतीय यदुवंशी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजेंद्र यादव ने बताया कि 18 नवंबर 1962 भारत-चीन रेजांगला युद्ध 114 वीर अहीर जवानों के शौर्य पराक्रम, शहादत व बलिदान के सम्मान में और भारतीय सेना में अहीर रेजिमेंट गठन के लिए आज हम यहां पर पहुंचे हुए हैं। हम आज यादव शौर्य दिवस मना रहे हैं। हमने आज अहीर रेजिमेंट गठन की मांग को लेकर देश के प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री को ज्ञापन भी सौपा है और मांग की है कि सेना में अहीर रेजिमेंट का गठन किया जाए।

इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में कैप्टन रामचंद्र यादव व हवलदार निहाल सिंह यादव (1962 युद्ध के हीरो) और विशेष अतिथि के रूप में नीरू यादव सरपंच, पूनम यादव, टी सी राव के अलावा मनीष यादव, सागर यादव, राजबहादुर यादव, प्रवीण यादव, पारस यादव, रास बिहारी मंडल, जीडी यादव, आरएस यादव, आरबी यादव, अभय यादव, उमाशंकर यादव, हेमंत, जितेंद्र यादव, विजय यादव, प्रमोद यादव, वासुदेव यादव, अर्जुन यादव, धर्मराज यादव, संजय यादव, राम अवध यादव, हरी लाल यादव, शिशुपाल यादव, रमेश यादव सहित हजारों की संख्या में लोग यहां पर मौजूद रहे।

इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष विजेंद्र यादव ने कहा कि जब अन्य समाज की रेजीमेंट बनी हुई है तो सरकार को हमारी रेजीमेंट बनाने में क्यों परेशानी आ रही है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द सेना के अंदर अहीर रेजिमेंट का गठन किया जाए। नहीं तो यादव मिलकर एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन करेंगा।

सीसामऊ उप चुनाव : थमा प्रचार का शोरगुल, आखिरी दिन डिम्पल और रवि किशन ने मांगे वोट

सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां 20 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र में आज प्रचार का शोर गुल खत्म हो गया।

आज आखिरी दिन भाजपा सांसद रवि किशन और समाजवादी पार्टी की डिंपल यादव ने भी अपने प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे। इन दोनों के रोड शो में समर्थकों की भारी भीड़ भी हुई।

पार्टी के प्रत्याशी सुरेश अवस्थी के प्रचार के लिए सीसामऊ पहुंचे गोरखपुर के सांसद रवि किशन ने अपने पार्टी के प्रत्याशी के लिए वाहन जुलूस निकाला। इस दौरान उन्होंने विपक्ष और सीसामऊ के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी पर हमला बोला।

इसी तरह से समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी नसीम सोलंकी के प्रचार के लिए आई समाजवादी पार्टी की डिंपल यादव ने भी कई बार भाजपा पर हमला किया। गोरखपर सांसद रवि किशन ने कहा, 'सीसामऊ की जनता जो झेल रही है वह बहुत खराब है। अब सारा हिंदू जाग उठा है, एक एक हिंदू घर निकलकर वोट करेगा। अयोध्या में जो छल के साथ हमारी हार हुई है इसका बदला लेगा।

सांसद रवि किशन ने कहा कि हिंदू बनकर वोट देना। सीसामऊ का जो विधायक है वह क्यों जेल में है यह सब आप जानते हो। जमीन हड़पना ये सब उनका काम है। सीसामऊ की जनता के लिए यह मौका बहुत शानदार है। हिंदू बनकर वोट करना है, क्योंकि जब भी आप बंटे हो तब कटे हो। एक रहोगे-नेक रहोगे। इस रोड शो के दौरान रवि किशन का काफिला सिविल लाइंस ग्वालटोली रोड पर पहुंचा। सिविल लाइंस इलाके में मुसलमानों ने रवि किशन का फूल बरसाकर स्वागत किया।

इस दौरान नरेंद्र मोदी, योगी आदित्यनाथ जिंदाबाद के नारे लगाए। यहां से काफिला चुन्नीगंज चौराहे पर पहुंचा। जहां रवि किशन ने बाबा साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। यहां बाबा साहब अमर रहे, भारत माता की जय के नारे लगाए गए। इसके बाद काफिला बजरिया चौराहे पर पहुंचा। यहां रवि किशन ने सीसामऊ को पिछड़ा क्षेत्र बता कर मतदाताओं को रिझाने की भरपूर कोशिश की।

दूसरी ओर समाजवादी पार्टी की डिंपल यादव के रोड शो में भी भारी भीड़ हुई। उनके रोड शो में दर्जनों लोग इरफान सोलंकी का मुखौटा लगाकर भी पहुंचे।

बढ़ते प्रदूषण से सांस के मरीजों की हालत हुई बदतर, शहर छोड़ने की कर रहे तैयारी

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण ने सांस के मरीजों की हालत बद से बदतर कर दी है। सांस लेने में तकलीफ आंखों में जलन और लगातार बेचैनी के कारण कई लोग शहर छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। प्रदूषण से बचने के लिए लोग कोटा अहमदाबाद नागपुर पुणे हैदराबाद गोवा बेंगलुरू पांडिचेरी और कोचीन जैसे शहरों का रुख कर रहे हैं।

नई दिल्ली। दम घुटती सांसें, जलती आंखें और हर पल बेचैन करने वाली राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की हवा में घुला जहर अपने ही देश में लोगों को दूसरे राज्यों की तरफ कदम बढ़ाने पर मजबूर कर रहा है। बच्चे और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर खासा असर डाल रहे प्रदूषण को देखते हुए दिल्लीवासी अब प्रदूषण प्रवासी बनने को मजबूर हो रहे हैं।

आइटीओ चौराहे पर अपनी कैब का इंतजार कर रही वास्तुविद अंकिता ने बताया कि वो बीते कई वर्षों से दिल्ली में रह रही हैं। वो बताती हैं कि बीते वर्ष अस्थमा की बीमारी पता चलने के बाद उनको अब यहां रहने में ज्यादा दिक्कत हो रही है। सांस लेने में तकलीफ के साथ-साथ आंख भी जलन से दर्द होने लगी है। ऐसे में उन्होंने अपनी सेहत को ध्यान में रखते शहर छोड़ने का विकल्प ही सही समझा है। वो अब कुछ दिनों में अपना सारा समान लेकर नागपुर जाएंगी और वहीं से काम करेंगी।

प्रदूषण से बच्ची के स्वभाव पर पड़ रहा असर

करोल बाग में रहने वाली निशी ने बताया कि उनकी पांच वर्ष की बेटी को बीते वर्ष फेफड़े की समस्या शुरू हुई थी। दिल्ली में प्रदूषण देखकर एक-एक दिन उनको कचोटता था। वो बताती हैं कि उनकी बेटी मुरझाएं जा रही थी। वह पार्क में खेलने नहीं जा सकती थी, क्योंकि हवा में प्रदूषण बहुत ज्यादा था। धीरे-धीरे वो एक खुशमिजाज बच्ची से, चिड़चिड़ी और जिद्दी हो गई थी। ऐसे में उन्होंने और उनके पति ने बेटी के लिए शहर छोड़ना ही सही समझा और दोनों पति-पत्नी अपनी बेटी के साथ कोटा में रहने चले गए। उन्होंने कहा कि यहां उनका भाई और भाभी पहले से ही रहते थे। ऐसे में घर खोजने या नौकरी तलाशने में ज्यादा समस्या नहीं आई थी।

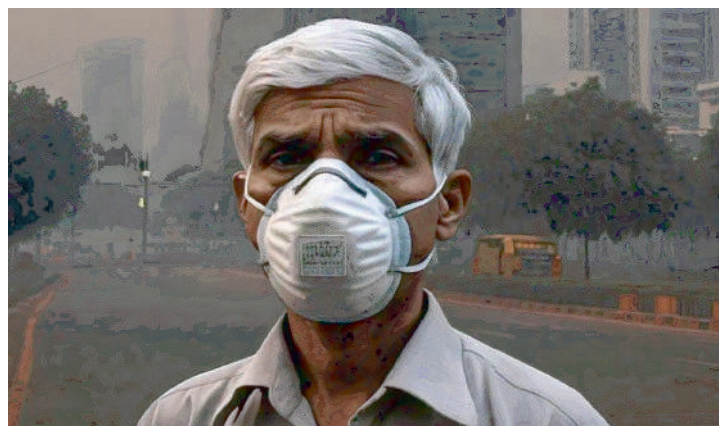

कई लोग अपने मूल गृह स्थान की ओर निकले

प्रदूषण के चलते शहर छोड़ने वालों में ये अकेले ही नहीं हैं। दिल्ली में छोटे बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों वाले कई ऐसे परिवार हैं, जो स्वस्थ जीवन जीने के लिए अपने अच्छे-खासे करियर को जोखिम में डालकर देश के विभिन्न हिस्सों में या तो जा चुके हैं या फिर जाने की तैयारी कर रहे हैं, ताकि प्रदूषण के दंश से पीछा छुड़ा सके। कोटा, अहमदाबाद, नागपुर, पुणे, हैदराबाद, गोवा, बेंगलुरू, पांडिचेरी और कोचीन जैसे शहर नौकरीपेशा के लिए लोकप्रिय विकल्प बन गए हैं। वहीं, कई अपने मूल गृह स्थान ही चले गए हैं।

दिल के मरीज के लिए हवा खतरनाक

पीआर कंसल्टेंट शालिनी से जब उनकी शहर छोड़ने की वजह के बारे में पूछा तो उन्होंने पूछा कि गैस चैंबर में आखिर कौन ही रहना चाहता है? उन्होंने बताा कि उनके लिए शहर छोड़ने का निर्णय मुश्किल था, लेकिन जब उनके माता-पिता की प्रदूषण से खराब हुई सेहत नियमित दवा के बावजूद ठीक नहीं हुई तो वो पुणे शिफ्ट हो गई। उन्होंने बताया कि उनकी मां दिल की बीमारी की मरीज हैं। ऐसे में वो कार्डियोलाजिस्ट के पास ले जाने में अपना अधिकांश समय बिताती थीं। उन्होंने कहा कि उन्होंने हर संभव उपाय जैसे एयर प्यूरीफायर, ऑक्सीजन मास्क और इनडोर प्लांट आजमाया, लेकिन समस्या ठीक नहीं हुई।

एक निजी कंपनी में वित्तीय लेखाकार अक्षय सिंह ने बताया कि 10 वर्षों से दिल्ली में रह रहे थे। लेकिन तीन वर्ष पहले उनकी पत्नी को सांस लेने में काफी दिक्कत होने लगी। उसे घरघराहट, खांसी और फेफड़ों में जलन की शिकायत थी। अपनी पत्नी को पीड़ित देखकर अक्षय ने दिल्ली से बाहर नौकरी के अवसरों की तलाश शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि दिल्ली की जहरीली हवा ने उनकी पत्नी की हालत और खराब कर दी थी।

झारखंड में 5 डिग्री सेल्सियस तक पारा लुढ़का, " ला नीना " का प्रभाव

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड

जमशेदपुर, झारखंड में विगत दो दिनों से वातावरण में अचानक ठंड बढ़ रही है, इसका मुख्य कारण 'ला नीना' का प्रभाव बताया जा रहा है। राज्य के कई जिलों में तापमान में तेजी गिरावट देखी जा रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, बीते 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में 5 डिग्री तक की गिरावट हुई है। रांची खूंटी ,सिंहभूम में सुलह सर्द हवाओं का दौर बढ़ रहा है जबकि दिन का तापमान धुप के कारण ठीक ठाक है। आज रांची, खूंटी 28 अधिकतम 13 न्युनतम, धनबाद, देवघर, दुमकाः अधिकतम 28°, न्यूनतम 13° ।जमशेदपुर, चाईबासाः अधिकतम 29° न्यूनतम 14 ।हजारीबाग, रामगढ़ः अधिकतम 28°न्यूनतम 13 रहा। बताते चलें ला नीना के कारण तापमान में तेज गिरावट हो रही है। यह प्रशांत महासागर में समुद्री सतह के तापमान में बदलाव के चलते होने वाली एक मौसमी प्रक्रिया है, जिसका असर वैश्विक जलवायु पर पड़ता है। उधर तीनों सिंहभूम में सारंडा समेत वनों का उजाड़ एवं तेजी से बढ़ रही औधोगिकरण को इसका जिम्मेदार है। सनद रहे कि चंपई सोरेन के मुख्यमंत्रित्व काल में उन्होंने वन रोपण पर प्रश्न चिन्ह लगाया था तथा उन सबकी जांच झारखंड तमाम उपायुक्तों को दी थी। इस पर उपायुक्तों ने क्या प्रतिवेदन दिया किसी को पता नहीं। जो पर्यावरण संरक्षण दिशा में एक बड़ा भ्रष्टाचार होने को इंगित करता है !!

पुरी निमापाड़ा केंद्रीय सहकारी बैंक राज्य में पहला स्थान हासिल किया

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भुवनेश्वर: 71वाँ निखिल भारत समबाय सप्ताह 18/11/2024 को जयदेव भवन, भुवनेश्वर में निखिल भारत समबाय सप्ताह का आयोजन किया गया। राज्य स्तरीय पुरस्कारों का वितरण किया गया, मुख्य अतिथि वाचस्पति सूरमा पाढ़ी, केंद्रीय मंत्री प्रदीप बाल सामंन्त, केंद्रीय सचिव राजेश प्रभाकर पाटिल, आई.ओ. एफ एस. प्रभु कल्याण पटनायक, ओडिशा सहकारी संघ के अध्यक्ष प्रभासिनी षाड़ंगी, सहकारी संघ के संपादक ब्रह्मानंद परिडा अतिथि थे। पुरी-निमापाड़ा सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक ने ओडिशा में पहला स्थान हासिल किया और माननीय अध्यक्ष और सहकारिता मंत्री से ट्रॉफी और प्रमाण पत्र सभापति किशोर छोटराय ने प्राप्त किया। किशोर छोटराय के प्रयासों और परिश्रम के कारण पुरी निमापाड़ा केंद्रीय सहकारी बैंक ने राज्य में पहला स्थान हासिल किया है।इसीलिए अध्यख किशोर छोटराय को शुभेच्छा बार्ता आ रहा है।

नैतिक शिक्षा से बच्चे के अंदर ईमानदारी, संयम, और विनम्रता जैसे गुण होते हैं विकसित : समाजसेवी सचिन सिंह

आइए, हम सब मिलकर एक ऐसा समाज बनाएँ, जहाँ हमारे बच्चे नैतिक और जिम्मेदार नागरिक बन सकें – समाजसेवी सचिन सिंह

आगरा, संजय सागर सिंह। नैतिक शिक्षा बच्चों के अंदर एक मजबूत नैतिक आधार का निर्माण करती है। इसका उद्देश्य बच्चों को सच्चाई, ईमानदारी, अनुशासन, आदर, विनम्रता, संयम, दया और जिम्मेदारी जैसे गुण सिखाना है। यह उनके चरित्र निर्माण में सहायक होती है और उन्हें सही और गलत का फर्क समझने में मदद करती है। नैतिक शिक्षा बच्चों को सज्जन और अनुशासित नागरिक बनने के लिए तैयार करती है, जिससे वे समाज में अपनी जिम्मेदारी और कर्तव्यों

को समझ सकें और उन्नति की सही दिशा में कदम बढ़ा सकें। यह विचार समाजसेवी सचिन सिंह ने समाजहित एवं राष्ट्रहित के संदर्भ में व्यक्त किए।

नैतिक शिक्षा पर बात करते हुए समाजसेवी सचिन सिंह ने कहा, ₹बच्चों का भविष्य केवल शैक्षणिक ज्ञान पर ही आधारित नहीं होता, बल्कि नैतिक मूल्यों की शिक्षा भी उतनी ही जरूरी है। बच्चों के जीवन में अच्छे संस्कार, आदर्श और नैतिकता का महत्व अनमोल होता है। बच्चे जैसे-जैसे बड़े होते हैं, वैसे-वैसे उनके व्यक्तित्व का निर्माण होता है। घर और स्कूल दोनों ही स्थान बच्चों की नैतिक शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। माता-पिता और शिक्षक उन्हें सही मार्गदर्शन देकर उनके अंदर अच्छे मूल्य विकसित कर सकते हैं।"

उन्होंने कहा, ₹हमें बच्चों को यह सिखाना चाहिए कि जीवन में सफलता का माप केवल धन या पद नहीं, बल्कि सच्चाई, न्याय, सहनशीलता, और असहाय जरुरतमंदों की सेवा में भी होता है। यह उनकी सोच, व्यवहार और समाज के प्रति जिम्मेदारी को निर्धारित करता है। अगर हम उन्हें छोटी उम्र से ही नैतिकता की शिक्षा दें, तो वे न केवल एक अच्छे नागरिक बनेंगे, बल्कि समाज को भी बेहतर दिशा में ले जाएंगे।"

सचिन सिंह ने आगे कहा, ₹नैतिक शिक्षा से बच्चे सही-गलत का भेद समझते हैं और अपने जीवन में अच्छे आचरण को अपनाते हैं जिससे उनके अंदर सकारात्मक सोच, सहानुभूति, अनुशासन और आत्मविश्वास जैसे गुणों का विकास होता है, जो उन्हें जीवन के विभिन्न मोर्चों पर सफलता प्राप्त करने में सहायक होते हैं। नैतिक शिक्षा बच्चों को एक संतुलित, संवेदनशील, और जागरूक व्यक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ये बच्चों के अंदर कई सकारात्मक परिवर्तन लाती हैं, जो उनके संपूर्ण व्यक्तित्व और जीवन दृष्टिकोण को विकसित करने में मदद करते हैं।"

उन्होंने कहा, ₹नैतिक शिक्षा से बच्चे सही और गलत के बीच अंतर समझते हैं, जिससे उनके अंदर ईमानदारी, संयम, और विनम्रता जैसे गुण विकसित होते हैं। नैतिक मूल्य बच्चों को आत्म-नियंत्रण सिखाते हैं, जिससे वे अपने कार्यों और भावनाओं पर नियंत्रण रख पाते हैं और आत्मविश्वास बढ़ता है। नैतिक शिक्षा से बच्चे दूसरों की भावनाओं को समझते हैं और उनकी मदद करने की प्रवृत्ति रखते हैं। नैतिक शिक्षा उन्हें सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों की समझ देती है, जिससे वे समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व को महसूस करते हैं और एक अच्छे नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित होते हैं।"

अंत में, समाजसेवी सचिन सिंह ने कहा, ₹समाजहित एवं राष्ट्रहित में बच्चों की शिक्षा में नैतिक मूल्यों का समावेश करना हमारी जिम्मेदारी है। आइए, हम सब मिलकर एक ऐसा समाज बनाएँ, जहाँ हमारे बच्चे नैतिक और जिम्मेदार नागरिक बन सकें।"

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023